सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-334

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 10 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

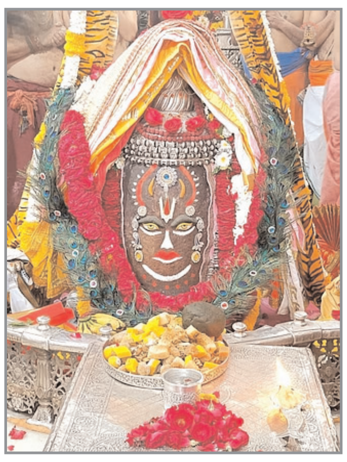

वाइट हाउस के बाहर मुठभेड़, सीक्रेट सर्विस ने आत्मघाती को गोली मारी

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन डीसी में वाइट हाउस के बाहर गोलीकांड की सनसनीखेज घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने हथियारबंद संदिग्ध को गोली मार दी। बताया जा रहा है कि गोलीबारी दोनों पक्षों से हुई। गनीमत यह रही कि घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा में थे। घटना के बाद वाइट हाउस के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। जानकारी मिली है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों को घटना से एक दिन पहले शनिवार को टिप मिली थी कि एक व्यक्ति इंडियाना से वाशिंगटन डीसी वाइट हाउस पहुंच सकता है। उसके पास हथियार होने की भी सूचना थी। टिप मिलने के बाद से सुरक्षाकर्मी मुस्तैद थे। यह मुठभेड़ वाइट हाउस से एक ब्लॉक दूर, आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग के पश्चिमी हिस्से में हुई। स्थानीय पुलिस ने शनिवार को सीक्रेट सर्विस को सूचित किया था कि एक आत्मघाती व्यक्ति इंडियाना से वाशिंगटन की ओर यात्रा कर रहा है। रविवार आधी रात को सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने संदिग्ध व्यक्ति की कार को 17वीं और एफ स्ट्रीट, एनडब्ल्यू के पास खड़ी देखा। इसके बाद, उन्होंने एक व्यक्ति को पैदल चलते हुए देखा, जो दी गई पहचान से मेल खाता था। जब अधिकारी संदिग्ध के पास पहुंचे, तो उसने एक हथियार निकाल लिया और इसके बाद दोनों पक्षों के बीच एक हथियारबंद टकराव हुआ। इस दौरान सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने फायरिंग कर दी। सीक्रेट सर्विस के बयान के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उसकी हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। सीक्रेट सर्विस के कर्मी इस घटना में सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में जोरदार हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है, जिसमें सरकार और विपक्ष के बीच कई मुद्दों को लेकर तीखी बहस होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि विपक्ष मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर, मणिपुर में हिंसा और ट्रंप प्रशासन के साथ भारत के संबंधों जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है। जबकि सरकार का फोकस अनुदान मांगों के लिए संसद की मंजूरी प्राप्त करने, बजटीय प्रक्रिया पूरी करने, मणिपुर बजट के लिए अनुमोदन प्राप्त करने और वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने पर होगा। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा के लिए संसद की मंजूरी के लिए एक वैधानिक प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। वहीं, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को मणिपुर का बजट भी पेश करेंगी, क्योंकि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है। विपक्ष ने कहा कि वह डुप्लीकेट मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) संख्या के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। बीते दिनों तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाने में मुख्य भूमिका निभाई है, जिसके बाद चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह अगले तीन महीनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाएगा। हालांकि, चुनाव आयोग ने टीएमसी के इस दावे को खारिज कर दिया था कि अन्य राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति देने के लिए मतदाता सूचियों में हेरफेर किया गया था। चुनाव आयोग ने ये भी स्पष्ट किया कि कुछ मतदाताओं के मतदाता पहचान पत्र क्रमांक समान हो सकते हैं, लेकिन डेमोग्राफिक इंफॉर्मेशन, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे अन्य जानकारी अलग-अलग होंगे। टीएमसी के नेता सोमवार को चुनाव आयोग से मुलाकात करेंगे और उन्होंने बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे को उठाने के लिए कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना-यूबीटी समेत अन्य विपक्षी दलों को भी एकजुट किया है।

वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने पर होगा फोकस सरकार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक को जल्दी पारित कराना पहली प्राथमिकता होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में संपन्न हुए इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में कहा था कि सरकार वक्फ संशोधन विधेयक को जल्दी पारित कराने की इच्छुक है, क्योंकि इससे मुस्लिम समुदाय के कई मुद्दों का हल होगा। संसद की संयुक्त समिति ने विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच विधेयक पर अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर दी है।

इंडिया ब्लॉक करेगा विचार-विमर्श वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के नेता वक्फ विधेयक का संयुक्त रूप से विरोध करने के लिए विचार-विमर्श करेंगे।

चर्च को मंदिर में बदला, पादरी सहित गांव के 200 परिवारों ने अपनाया हिंदू धर्म

बांसवाड़ा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमा से सटे दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के गांगड़तलाई पंचायत समिति के एक गांव के लोगों ने सालों पहले ईसाई धर्म अपनाया था, लेकिन अब उन्होंने फिर से हिंदू धर्म में वापसी की है। उन्होंने अपने गांव में चर्च को मंदिर में बदलने की कवायद शुरू की और रविवार को उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया। इस गांव के लोगों ने यह फैसला प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ से निकली सनातन की बयार से प्रभावित होकर लिया है, जो इस चर्च में पादरी थे, उन्होंने भी हिंदू धर्म में वापसी की है। कभी चर्च में पादरी का काम करने वाले गौतम गरासिया ने भी हिंदू धर्म में घर वापसी की है। उन्होंने बताया कि देश में बह रही सनातन संस्कृति और महाकुंभ से मिले संदेश के बाद अब फिर से हिंदू धर्म अपना रहे हैं। साथ ही गांव में बने हुए 125 साल पुराने चर्च का रूप बदलकर भैरव जी का मंदिर बना रहे हैं और दीवारों को भी रंग रहे हैं उन्होंने बताया कि सालों पहले यहां ईसाई मिशनरी से प्रभावित होकर पूरे गांव के लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया था, लेकिन और अब उनके मन में फिर से सनातन संस्कृति की भावना पैदा हो गई है और उन्होंने सनातन संस्कृति की ओर रुख किया है। अब गांव के करीब 200 परिवार के लोग फिर से हिंदू धर्म अपनाते हुए यहां भैरव जी का मंदिर स्थापित कर रहे हैं। 30 साल पहले छोड़ा था हिंदू धर्म अब तक चर्च के पादरी रहे गौतम ने हिंदू धर्म में वापसी कर चर्च को मंदिर में बदलने का काम शुरू कराया था जो अब पूरा हो गया है।

दिग्विजय सिंह ने उठाया सवाल

भाजपा समर्थकों को कांग्रेस से कब निकालेंगे राहुल गांधी

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से चौंकाने वाली अपील की है। उन्होंने रविवार को लोकसभा में राहुल गांधी से पार्टी के भीतर भाजपा समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। दिग्विजय सिंह का ये बयान राहुल गांधी द्वारा गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी के बारे में बोलने के बाद आया है। बता दें कि कांग्रेस लगभग तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। दिग्विजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर पूछा है कि राहुल गांधी भाजपा समर्थकों को कांग्रेस से कब निकालेंगे

बता दें कि राहुल गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग जनता से कटे हुए हैं और उनमें से आधे लोग भाजपा के साथ मिले हुए हैं। गुजरात का नेतृत्व, गुजरात के कार्यकर्ता, गुजरात के जिला अध्यक्ष (कांग्रेस), ब्लॉक अध्यक्ष, इनमें दो तरह के लोग हैं, विभाजन है। एक वह है जो जनता के साथ खड़ा है, जनता के लिए लड़ता है, जनता का सम्मान करता है और उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है। दूसरा वह है जो जनता से कटा हुआ है, दूर बैठा है, जनता का सम्मान नहीं करता और उनमें से आधे लोग बी यूनिट के साथ मिले हुए हैं। जब तक हम इन दोनों को अलग नहीं करेंगे, गुजरात के लोग हम पर विश्वास नहीं कर सकते, गांधी ने कहा।

आरएसएस पर बोला हमला दिग्विजय सिंह ने आगे एक निजी अनुभव को याद किया, कहा कि जब वे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्हें निर्देश दिया गया था कि वे आरएसएस के खिलाफ न बोलें, क्योंकि इससे हिंदू नाराज हो सकते हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सच्चाई यह है कि आरएसएस हिंदुओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, बल्कि यह धर्म के नाम पर उन्हें गुमराह करता है और उनका शोषण करता है। उन्होंने आरएसएस की वैधता पर भी सवाल उठाया और पूछा कि हिंदू आध्यात्मिक नेताओं, शंकराचार्यों की परंपरा हजारों वर्षों से स्थापित है और आज भी जारी है। इनमें से कौन से शंकराचार्य आज भाजपा और आरएसएस का समर्थन करते हैं

भाजपा धर्म के नाम पर कर रही गुमराह पूर्व सीएम दिग्विजय ने भाजपा पर शोषण करने वाले तत्वों का समूह होने का आरोप लगाया, जिसका एकमात्र उद्देश्य धर्म के नाम पर लोगों को लूटना और सत्ता हासिल करना है। दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को उनके हालिया बयान के लिए बधाई दी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को टैग किया और राहुल गांधी को कांग्रेस पार्टी से भाजपा समर्थकों को निष्कासित करने के लिए कहा।

यह कहा था राहुल गांधी ने राहुल गांधी ने शनिवार को अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि कुछ लोग जनता से कटे हुए हैं और उनमें से आधे बीजेपी के साथ मिले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा, ह्यगुजरात का नेतृत्व, गुजरात के कार्यकर्ता, गुजरात के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, इनमें दो तरह के लोग हैं, विभाजन है। एक लोगों के साथ खड़ा है, लोगों के लिए लड़ता है, लोगों का सम्मान करता है और उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है। दूसरा वह है जो लोगों से कटा हुआ है, दूर बैठता है, लोगों का सम्मान नहीं करता है और उनमें से आधे भाजपा के साथ मिले हुए हैं। जब तक हम इन दोनों को अलग नहीं करेंगे, गुजरात के लोग हम पर विश्वास नहीं कर सकते।

सीने में दर्द और बेचैनी के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अचानक बिगड़ गई। उन्हें सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई। इस पर उपराष्ट्रपति को दिल्ली एम्स के कार्डियक विभाग में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य की जानकारी लेने एम्स पहुंचे। पीएम मोदी ने एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए एम्स गया। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बताया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति को देर रात को बेचैनी और सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद उन्हें देर रात करीब 2 बजे अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों का कहना है कि उपराष्ट्रपति की हालत स्थिर है और उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में निगरानी में रखा गया है। कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के एम्स में भर्ती होने के बाद केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता जेपी नड्डा ने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी के लिए एम्स का दौरा किया। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर पोस्ट किया कि राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि वे तेजी से ठीक हो रहे हैं

हर वोट का महत्व, चाहे अंतिम नतीजा प्रभावित करे या न करे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव में प्रत्येक वोट का अपना महत्व होता है, भले ही वह चुनाव के अंतिम परिणाम को प्रभावित करे या न करे और इसलिए उसकी पवित्रता को बनाए रखना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हाई कोर्ट ने एसडीएम द्वारा दोबारा गणना के आदेश को निरस्त कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव से संबंधित प्रत्येक दस्तावेज महत्वपूर्ण होता है और इसे सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के एक गांव में 2021 में हुए ग्राम प्रधान के चुनाव के संदर्भ में की। इस चुनाव में डाले गए वोटों की अंतिम गिनती को लेकर विवाद था और मतदान अधिकारियों के रिकॉर्ड गायब थे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल की अगुआई वाली बेंच ने अपने फैसले में कहा कि मतदान केंद्रों के प्रेसीडिंग ऑफिसर की डायरी तमाम प्रयासों के बावजूद नहीं मिल पाई। इसलिए, कोर्ट ने कहा कि अंतिम गिनती संदेह के दायरे में आती है। सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा काउंटिंग का आदेश देते हुए कहा कि चुनाव में खड़े उम्मीदवारों का मतदान प्रक्रिया पर नजर रखना और रिकॉर्ड का निरीक्षण करना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं किया जा सकता।

दुबई में लहराया तिरंगा... रोहित-श्रेयस का तूफान, स्पिनर्स की चकरी...

भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार जीती चैम्पियंस ट्रॉफी

दुबई। भारतीय टीम ने दुबई में न्यूजीलैंड को हराते हुए न केवल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता, बल्कि 12 सालों के सूखे को भी खत्म कर दिया। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में कमाल की बॉलिंग करते हुए न्यूजीलैंड को 251 रनों पर रोक लिया। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के बाद रोहित शर्मा (76) की कप्तानी पारी ने कीवी गेंदबाजों की कमर तोड़ दी। विराट कोहली फेल रहे तो क्या श्रेयस अय्यर (48), अक्षर पटेल (29), केएल राहुल (33 गेंदों में नाबाद 34 रन) और हार्दिक पंड्या (18) ने कैमियो पारी खेलते हुए भारत को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता बना दिया। 49वें ओवर की पहली गेंद पर जैसे ही रविंद्र जडेजा (9) बल्ले से विनिंग रन बना पूरा भारत जश्न में डूब गया। रिंग ऑफ फायर के नाम से मशहूर दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पठाखों की आवाजों से गूंजने लगा। बता दें कि इससे पहले 2013 में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था।

सही समय पर चला रोहित का बल्ला रोहित का बल्ला वनडे प्रारूप में जमकर चलता है और ऐसा ही इस बार भी देखा गया। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से पहले रोहित के बल्ले से बड़ी पारी नहीं निकली थी, लेकिन समय पर कप्तान ने बल्ले से अपना दम दिखाया। रोहित शर्मा ने 41 गेंद में वनडे करियर का 58वां अर्धशतक लगाया और खिताबी मैच में अपना दम दिखाया। रोहित ने इसके साथ ही शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की और भारत की जीत की नींव रखी। 83 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए।

मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ वरुण का चयन भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती शुरूआत में भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया जिसके बाद भारत ने अंतिम समय में वरुण को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में शामिल किया। वरुण पहले दो मैच में नहीं खेले और न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें मौका मिला। वरुण ने पहले ही मैच में पांच विकेट झटके और भारत को 250 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कराने में अहम भूमिका निभाई। वरुण ने फिर सेमीफाइनल और फाइनल में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वरुण ने टूनार्मेंट के दौरान कुल नौ विकेट लिए और वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शीर्ष पांच में रहे।

भारत ने 4, न्यूजीलैंड ने 2 कैच छोड़े रविवार को कई मोमेंट्स देखने को मिले। रचिन रवींद्र को 2 ओवर में 3 जीवनदान मिले। कुलदीप ने अपनी पहली बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया। ग्लेन फिलिप्स ने हवा में छलांग लगाकर गिल का कैच पकड़ा। रोहित ने मिचेल का कैच ड्रॉप किया। रवींद्र जडेजा ने रन आउट का मौका गंवाया। भारत ने 4 तो कीवी टीम ने 2 कैच छोड़े।

25 साल पुरानी हार का बदला टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड से 25 साल पुरानी हार का बदला भी ले लिया है। चैंपियंस ट्रॉफी 2000 के फाइनल में कीवियों ने भारत को मात दी थी। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में रोहित शर्मा ने 12 साल का सूखा खत्म कर दिया है।

इंदौर में तीन महीने बंद रहेगा मालवा मिल से पाटनीपुरा रोड, बीच से हटेगा 100 साल पुराना पुल

इंदौर। मालवा मिल-पाटनीपुरा सड़क होली के बाद तीन माह बंद रहेगी। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना पड़ेगा। मालवा मिल से पाटनीपुरा के बीच बनने वाले पुल के लिए शनिवार को भूमिपूजन किया गया। वर्तमान पुल जर्जर अवस्था में होकर संकीर्ण है। इस वजह से यहां अक्सर जाम की स्थिति बनती है। शनिवार को हुए भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक रमेश मेंदोला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर सभापति मुन्नालाल यादव एमआइसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया आदि उपस्थित थे। राठौर ने बताया कि यह पुल 30 मीटर चौड़ा और 21 मीटर लंबा होगा। इसके निर्माण पर करीब छह करोड़ रुपये लागत आ रही है। इस पुल के तैयार होने के बाद क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। बार-बार लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी। वर्तमान पुल ऐरन से बना है और करीब 100 वर्ष पुराना और 40 फीट चौड़ा है। नया पुल करीब 100 फीट चौड़ा होगा।

प्रतिमा हुई शिफ्ट, पाटनीपुरा चौराहे से गुजरना होगा आसान यातायात समस्या हल करने के लिए नगर निगम ने पाटनीपुरा चौराहे की रोटरी हटाने का काम शुरू कर दिया है। इस रोटरी पर लगी श्रमिक नेता रामसिंह भाई की प्रतिमा रविवार शिफ्ट कर दी गई। इसे पास ही डिवाइडर पर स्टैंड बनाकर शिफ्ट किया गया है। निगम यातायात विभाग जल्द ही चौराहे पर नए सिग्नल लगाएगा। इसके लिए सर्वे सोमवार से शुरू हो जाएगा। करीब 22 वर्ष पहले कांग्रेस शासनकाल में पाटनीपुरा चौराहे पर रोटरी बनाकर श्रमिक नेता रामसिंह भाई की प्रतिमा लगाई गई थी। पहले यह रोटरी काफी बड़ी थी।

चौराहे पर अक्सर जाम की स्थिति बनती थी इसकी वजह से चौराहे पर अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती थी। इसे देखते हुए इंजीनियरों के सुझाव पर रोटरी को दो बार छोटा भी किया गया, लेकिन समस्या हल नहीं हुई। अंततः रोटरी को हटाने का निर्णय लिया गया। रविवार को करीब दो घंटे की मशक्कत कर प्रतिमा शिफ्ट कर दी गई। इसके बाद रोटरी तोड़ने का काम शुरू हुआ। पाटनीपुरा चौराहे की रोटरी तोड़कर निगम यातायात व्यवस्था सुधारने की बात कर रहा है।

सिग्नल कहां लगे, इसका होगा सर्वे निगम पाटनीपुरा चौराहे पर सिग्नल व्यवस्था के बदलाव के लिए सर्वे करेगा। निगम अधिकारी वैभव देवलासे ने बताया कि सर्वे में यह देखा जाएगा कि सिग्नल चौराहे के बीचोबीच लगाया जाए या साइड में। सर्वे कर एक सप्ताह में सिग्नल लगा दिए जाएंगे।

हनी सिंह के कॉन्सर्ट का 50 लाख रुपये टैक्स नहीं हुआ जमा

निगम ने जब्त किया एक करोड़ का सामान

इंदौर। इंदौर में शनिवार के दिन रैपर हनी सिंह का कॉन्सर्ट हुआ था। इसके बाद रविवार सुबह नगर निगम की टीम वहां पहुंच गई और एलईडी समेत करीब एक करोड़ रुपये का सामान जब्त कर लिया। कॉन्सर्ट का आयोजन करने वालों से निगम ने 50 लाख रुपये टैक्स मांगा था, जो उन्होंने जमा नहीं कराया, इसके बाद यह कार्रवाई की गई।इंदौर नगर निगम के अनुसार कॉन्सर्ट के आयोजकों ने शनिवार को पौने आठ लाख रुपये जमा कराए थे। जीएसटी पोर्टल से मिली जानकारी के अनुसार कॉन्सर्ट के टिकट 3.28 करोड़ रुपये में बिके है। ऐसे में इस पर 10 प्रतिशत मनोरंजन कर पहले जमा कराने की बात कही गई थी।

टैक्स जमा नहीं कराया

जानकारी के मुताबिक शनिवार रात को भी नगर निगम की टीम आयोजन स्थल पर पहुंची थी, लेकिन टैक्स जमा नहीं कराया गया। इस पर नगर निगम की टी रविवार सुबह फिर पहुंची और सामान जब्त कर लिया। उधर इस मामले में आयोजकों का कहना है कि केवल 80 लाख रुपये के टिकट ही बिके हैं।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का टैक्स भी नहीं हुआ था जमा

इंदौर शहर में इसके पहले दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट हुआ था। उस दौरान आयोजकों ने टैक्स नहीं जमा कराया था। इसके बाद इस बार नगर निगम टैक्स को लेकर सख्त था और कई बार कॉन्सर्ट करवाने वालों को टैक्स जमा करने की बात कह चुका था।

सिर्फ डेढ़ घंटे स्टेज पर रहे हनी सिंह

शनिवार को इंदौर में हुए कॉन्सर्ट में हनी सिंह केवल डेढ़ घंटे ही स्टेज पर रहे और बाय-बाय कर चले गए। सात बजे कार्यक्रम शुरू हुआ और साढ़े आठ बजे तक खत्म हो गया। इस दौरान दर्शक निराश हुए। यह बात भी सामने आई कि रात में नगर निगम की टीम पहुंचने के बाद हनी सिंह जल्दी चले गए, लेकिन नगर निगम ने साफ किया कि उन्होंने रात में कॉन्सर्ट बंद नहीं करवाया था।

पीथमपुर में शनिवार रात 8 बजे तक 57 घंटे में जलाया यूनियन कार्बाइड का 10 टन जहरीला कचरा

इंदौर। यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाए जाने के ट्रायल रन का दूसरा चरण शनिवार को रात आठ बजे संपन्न हुआ। पीथमपुर के री-सस्टेनेबिलिटी (पूर्व में रामकी) कंपनी में दूसरे चरण में कचरा जलाने की प्रक्रिया छह मार्च को सुबह 11.06 बजे शुरू हुई थी। इसमें 180 किलो प्रति घंटे की दर से कचरा जलाया गया। 10 टन कचरे का निष्पादन करने में 57 घंटे लगे। यह प्रक्रिया 55 घंटे में पूरी होना थी परंतु इसमें देर हुई। आखिरी खेप शनिवार शाम 7.05 बजे डाली गई और इसे करीब एक घंटे तक जलाया गया।

प्रदूषण विभाग के अनुसार आठ मार्च को दोपहर 12:46 बजे इंटरनेट बंद हो जाने से ऑनलाइन सर्वर पर डाटा फीड होना बंद हो गया था।

इससे दोपहर एक बजे से करीब बीस मिनट के लिए भस्मक में कचरा डालना रोका दिया गया था। भस्मक के तापमान को बनाए रखने और आखिरी खेप को करीब एक घंटा जलाने से दो घंटे अतिरिक्त लगे।

तीसरा चरण 10 मार्च से, 37 घंटे में जलाएंगे 10 टन मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देशानुसार 10 मार्च से कचरा जलाने के ट्रायल रन का तीसरा चरण शुरू किया जाएगा।

इसमें भी 10 टन कचरे को जलाया जाएगा, परंतु मशीन में कचरा पहले से अधिक 270 किलो प्रति घंटे की दर से डाला जाएगा।

इसके बाद तीनों ट्रायल रन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी।

कचरा जलाने के साथ ही चिमनी से निकलने वाले धुएं व कण की निगरानी व मॉनिटरिंग मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 20 अधिकारी-कर्मचारी कर रहे हैं।

रैपिडो के डाटा से पकड़ाया व्यापारी की हत्या करने वाला

मृतक और आरोपी

इन्दौर। कालानी नगर के कपड़ा व्यापारी सचिन चोपड़ा की हत्या करने वाले रोहित पिता रमेशचंद्र रायकवार निवासी देवगुराड़िया की गिरफ्तारी में लगी पुलिस को रैपिड़ो के रिकार्ड से उसका नाम और पता मालूम हुआ और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस समय रहते नहीं गिरफ्तार करती तो वह आत्महत्या करने का मूड बना चुका था। उल्लेखनीय है कि 5 मार्च को कालानी नगर में सचिन चोपड़ा कि हत्या पैसों की लेन-देन में उसी के घर में कर दी थी। इसके बाद घर में रुक रहा हत्यारा वहां से भाग गया।

सीसीसीटीवी कैमरों के आधार पर एक संदिग्ध फुटेज पुलिस के हाथ लगा था, जिसकी जांच करते-करते पुलिस नवलखा की एक होटल तक जा पहुंची। हत्यारा सचिन के घर तीन दिन से आना जाना कर रहा था। उस दौरान उसने कभी किसी बाइक सवार से लिफ्ट ली तो कभी रैपिडो टू व्हीलर बुक की। एक फुटेज में वह रेपिडो वाले के साथ जाते हुए पुलिस को दिखा तो पुलिस ने रैपिडो के नंबर आधार पर उसके चालक तक पहुचंकर उससे पूछताछ की। इस पर बुकिंग के दौरान जो डाटा उसने रैपिडो कंपनी की साइड पर ऑनलाइन किया था, उससे ही उसकी पहचान रोहित के रूप में हुई। पुलिस के पास फुटेज और नाम आने के बाद पुलिस उस तक आसानी से पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया।

गुगल पर सर्च किए आत्महत्या करने के तरीके

जब रोहित को गिरफ्तार किया गया तो उसके पास ब्लड प्रेशर की गोलियों का एक पत्ता मिला। उससे इसके बाद में पूछताछ की तो उसने बताया कि सचिन की हत्या करने के बाद उसने गूगल पर आत्महत्या करने के तरीके सर्च किया, जिसमें एक साथ ब्लड प्रेशर की गोलियां खाने पर आत्महत्या करने का तरीका उसे सबसे सही लगा। जब वह गिरफ्तार हुआ उससे पहले उसने काफी मात्रा में बीयर पी थी। इसके बाद वह सारी गोलियां एक साथ खाने वाला था, ताकि उसकी भी मौत हो जाए और पुलिस उसे पकड़ नहीं पाए।

रेस लगा रहे थे कार सवार, बीआरटीएस की रैलिंग से टकराते हुए मंदिर की दीवार में घुस गए

इन्दौर। रात को विजय नगर इलाके में दो कार सवार रेस लगा रहे थे और एक कार चालक की कार अनियंत्रित होकर बीआरटीएस की रैलिंग से टकराते हुए मंदिर की दीवार में जा घुसी। गनीमत रही कि एयर बैलून खुलने से कार सवारों की जान बच गई। हादसे के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई जो सुबह तक मौके पर पड़ी रही। घायल युवक को इलाज के लिए दूसरी कार वाले अस्पताल लेकर पहुंचे। विजय नगर पुलिस ने बताया कि कालका माता मंदिर के पास की घटना है।

सफेद और ग्रे कलर की दो कारों के चालक आपस में आगे निकलने की होड़ में थे, तभी सफेद रंग की कार के चालक के सामने ट्रक आ गया और उसका कार से नियंत्रण हटा और कार बीआरटीएस की रैलिंग से टकराते हुए कालका माता मंदिर की दीवार से जा टकराई। घटना में कार का बोनट वाला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वही कार के एयर बैलून भी खुल गए, जिससे चालक की जान बच गई। घटना देख दूसरी कार जिसमें युवक और युवती सवार थे, उन्होंने घायल कार चालक को कार से निकाला और इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। बीआरटीएस का रैलिंग भी इस घटना में टूट गई।

कई हादसे झेल चुकी रैलिंगज निरजनपुर से राजीव गांधी चौराहे तक एबी रोड़ पर बनी बीआरटीएस की रैलिंग उखाडने की जहां प्रशासन तैयारी कर रहा है, इससे पहले इस रैलिंग ने कई हादसे झेले हैं। कई वाहन चालक नशे में बेकाबू होकर इस रैलिंग में जा घुसे है। कई बार रैलिंग की रिपेयरिंग हुई और अब इसकी विदाई के दौरान भी हादसे हो रहे है।

कार में मिली शराब की बोतल जब मौके पर पुलिस पहुंची तो कार सवार वहां से जा चुके थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद हिंसा, पेट्रोल बम फेंके, घर-दुकानें जलाईं, आर्मी ने संभाला मोर्चा

इंदौर । चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया की जीत के बाद निकले जुलूस में बवाल हो गया। रविवार रात मध्यप्रदेश के महू में इस कदर हिंसा भड़की की प्रशासन भी हैरान रह गया। सैकड़ों लोगों ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी। कई जगह पेट्रोल बम भी फेंके गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके बाद भी जब हालात नहीं सुधरे तो सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद हालात काबू में आ सके। सोमवार सुबह प्रमुख बाजार खुल गए हैं लेकिन जहां घर दुकान जलाए गए वह क्षेत्र अभी भी बंद हैं। लोग घरों में दुबके हैं और कई क्षेत्रों में अभी भी दहशत है। महू में चप्पे चप्पे पर पुलिस है और आर्मी ने हर मूवमेंट पर नजर रखी हुई है। इस हिंसा में पांच से छह लोगों के घायल होने की सूचना है। कलेक्टर आशीष सिंह के मुताबिक हालात काबू में हैं, आरोपियों की पहचान की जा रही है।

13 गिरफ्तार, आरोपियों की पहचान कर रही पुलिस विधायक उषा ठाकुर ने बताया कि 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, सभी आरोपियों की पहचान की जा रही है। हिंसा फैलाने वाले हर शख्स को गिरफ्तार किया जाएगा। उषा ठाकुर ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोगों के घर दुकान जलाए वहां तो कोई रैली नहीं निकली थी। लोग सो रहे थे और योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया। सोचने वाली बात है कि चंद मिनट में कैसे पूरा महू जल उठा। यह सब पहले की प्लानिंग थी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

घटना रविवार रात करीब 10 बजे की है। भारत की जीत के बाद करीब 100 से ज्यादा लोग 40 से अधिक बाइक पर सवार होकर जुलूस निकाल रहे थे। इस दौरान लोग धार्मिक नारे लगा रहे थे। दावा किया जा रहा है कि जब यह जुलूस जामा मस्जिद के पास पहुंचा तो वहां धार्मिक नारे लगाने और आतिशबाजी को लेकर विवाद शुरू हो गया। पीछे चल रहे पांच-छह लोगों को दूसरे पक्ष के कुछ लोगों ने रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस झगड़े की खबर जैसे ही आगे चल रहे लोगों को लगी, उन्होंने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने भी जवाबी पत्थरबाजी की। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। बाइक सवार कुछ लोग पत्ती बाजार, कुछ कोतवाली और बाकी अन्य क्षेत्रों में चले गए। इसी बीच गुस्साए लोगों ने पत्ती बाजार क्षेत्र में भी पथराव शुरू कर दिया। यहां घरों और दुकानों के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। कई घरो को आग के हवाले कर दिया गया। बवाल बढ़ने पर आसपास के चार थानों के पुलिस बल को महू बुलाया गया। स्थिति पर काबू पाने के लिए करीब 300 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। कलेक्टर आशीष सिंह और डीआईजी निमिष अग्रवाल रात करीब डेढ़ बजे महू पहुंचे। उन्होंने शहर में पैदल घूमकर स्थिति का जायजा लिया। रातभर अधिकारी सड़कों पर घूमते रहे। जब हालात बिगड़ते रहे तो आर्मी को बुलाना पड़ा। आर्मी की 8 जवानों की टुकड़ी क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) को बुलाया गया। उपद्रव करने वाले आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज पुलिस तलाश रही है। कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें उपद्रवी पत्थरबाजी और आगजनी करते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने अब तक किसी के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया है और न ही किसी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की तलाश और पहचान की जा रही है। मौके पर 10 थानों के करीब 300 से ज्यादा पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात किए गए हैं। उपद्रवियों ने पत्ती बाजार, मार्केट चौक, जामा मस्जिद, बतख मोहल्ला और धानमंडी में खड़ी करीब 12 से अधिक बाइकों को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा दो कारों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले किया गया। पत्ती बाजार क्षेत्र में प्रेस क्लब के अध्यक्ष राधेलाल के घर में आगजनी की गई। बतख मोहल्ले में एक दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। मार्केट चौक में दो दुकानों के बाहर आग लगा दी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पत्ती बाजार और माणक चौक क्षेत्र में लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही आंसू गैस के गोले छोड़े गए। रात करीब 1 बजे हालात सामान्य हो सके। सोमवार सुबह भी कई क्षेत्रों में दहशत है और लोग घरों में दुबके हुए हैं।

मध्यप्रदेश में बढ़ा पारा, इंदौर-उज्जैन-रतलाम, सबसे गर्म

मध्यप्रदेश में गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है। रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 1 से 4 डिग्री तक बढ़ गया। सबसे अधिक गर्मी रतलाम में रही, जहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों में रविवार को रतलाम, उज्जैन और इंदौर सबसे गर्म रहे। उज्जैन में अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री, इंदौर में 35.2 डिग्री रहा। उज्जैन में रात का पारा 14.5 और इंदौर में 18.0 दर्ज किया गया। नर्मदापुरम, मंडला और शिवपुरी में भी तापमान में उछाल देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में और बढ़ोतरी होगी। सोमवार को ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में सबसे अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। भोपाल में भी तापमान 35 डिग्री के पार जा सकता है।

बर्फीली हवाओं का असर खत्म हुआ बीते दिनों प्रदेश में बर्फीली हवाओं का असर देखा गया था, जिससे कई शहरों में कड़ाके की ठंड पड़ी थी। भोपाल समेत कई स्थानों पर पिछले 10 सालों का ठंड का रिकॉर्ड टूट गया था। कई जगह शीतलहर चली और रात का तापमान 6 डिग्री तक गिर गया था। राजगढ़, शाजापुर, उमरिया, मंडला, नौगांव और मलाजखंड जैसे शहर सबसे ठंडे रहे। लेकिन अब बर्फीली हवाओं का असर कम होने के कारण तापमान में वृद्धि होने लगी है, जिससे रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है।

दिन और रात दोनों में बढ़ रही गर्मी भोपाल में 34.5 डिग्री, ग्वालियर में 33.4 डिग्री और जबलपुर में 32.5 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में तापमान 37.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 36.8 डिग्री, मंडला और शिवपुरी में 36 डिग्री, सिवनी में 35.4 डिग्री, दमोह में 35.2 डिग्री, गुना में 35.1 डिग्री, धार, नरसिंहपुर, टीकमगढ़-खजुराहो में 35 डिग्री, खरगोन में 34.8 डिग्री, बैतूल में 34.2 डिग्री और मलाजखंड में तापमान 34 डिग्री दर्ज किया गया। रात के तापमान में भी उछाल देखा गया है। शनिवार-रविवार की रात में नर्मदापुरम और खंडवा का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के ऊपर पहुंच गया था।

अगले दो दिन का पूर्वानुमान 10 मार्च को भोपाल में पारा 35 डिग्री के पार जा सकता है। इंदौर और उज्जैन में तापमान 36 डिग्री के करीब रहेगा। अन्य शहरों में भी तापमान बढ़ा रहेगा।

11 मार्च को दिन और रात के तापमान में और बढ़ोतरी होगी। बारिश के कोई आसार नहीं हैं।

आने वाले दिनों का मौसम मार्च के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और बादल के बीच ठंड-गर्मी का मिश्रित मौसम रहा। अब तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी।

मणप्पुरम गोल्ड बैंक में लूट की कोशिश, शटर के ताले काटे , अंदर तक घुसे आरोपी

भोपाल। भोपाल के भेल गेट नंबर एक के करीब बने मणप्पुरम गोल्ड लोन बैंक में लूट की कोशिश हुई। आरोपियों ने शटर के दो तालों को काट दिया। इसी के साथ पिछले हिस्से में लगी ग्रील को काटकर आरोपियों ने अंदर प्रवेश किया। इससे पहले बदमाशों ने पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरों के वायर तक काट दिए। सायरन बजने पर लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। इससे पहले ही आरोपी भाग निकले। टीआई अनुराग लाल के मुताबिक, सुबह करीब पांच बजे डायल 100 पर मणप्पुरम गोल्ड के सायरन बजने की जानकारी मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि शटर के ताले कटे हुए थे, पिछले हिस्से की ग्रील को भी काटकर उखाड़ दिया गया था। आरोपी अंदर बंकर रूम को तोड़ने का प्रयास करते इससे पहले ही सायरन बज गया। तत्काल आस पास के लोगों ने डायल 100 पर कॉल किया। जिसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंच गई। हालांकि सायरन बजने के कारण आरोपी वहां से भाग चुके थे। बैंक का सभी सामान सुरक्षित है। बदमाश कुछ भी ले जाने में कामयाब नहीं हो सके। शुरूआती जांच में 5 से 6 लोगों द्वारा वारदात में शामिल होने की जानकारी मिल रही है। घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। उनके भागने के वाले पूरे रोड का मैप तैयार किया जाएगा, जिससे साफ हो सके कि आरोपी किस रास्ते से आए और किस रास्ते से भागे थे।

तीन जनवरी को भोपाल के पिपलानी में एक और बैंक में लूट की कोशिश की गई। हेलमेट और मास्क पहने युवक ने बैंककर्मियों पर मिर्च का स्प्रे कर दिया। आंखों में जलन होने के बावजूद बैंककर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की। इससे डरकर लुटेरा भाग निकला। पुलिस ने कुछ ही घंटों में उसे धर दबोचा। घटना के समय बैंक में 3-4 कर्मचारी और 7-8 कस्टमर मौजूद थे। वारदात पिपलानी थाना इलाके में धनलक्ष्मी बैंक में शुक्रवार शाम 4 बजे की है। इससे पहले आरोपी खाता खुलवाने की बात कहकर बैंक में पूछताछ करने आया था। बैंक के सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई। आरोपी संजय कुमार (24) को दो घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया। उसने ऑनलाइन गेमिंग एप पर 2 लाख रुपए हारने के बाद बैंक में लूट की योजना बनाई थी। दोस्तों से उधार लिया पैसा और घर से मिले फीस के रुपए भी वह ऑनलाइन गेम में हार चुका था। आरोपी से उसकी मोटरसाइकिल और मिर्च स्प्रे जब्त कर लिए गए।

22 मार्च को महाधिवेशन का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने भी किया आमंत्रित..!

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ

भोपाल, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के 22 एवं 23 मार्च 2025 को मुरैना में आयोजित होने वाले त्रिवर्षीय तथा दो दिवसीय महाधिवेशन का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे।

महाधिवेशन के प्रचार प्रसार प्रभारी विनोद त्रिपाठी ने बताया कि उक्त जानकारी गत दिवस 17 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ यादव के मुरैना चंबल प्रवास के अवसर पर संगठन द्वारा दिए आमंत्रण पत्र के दौरान सामने आई ।चंबल में घड़ियाल के 10 बच्चे छोड़ने के बाद मिले समय पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के आयोजन प्रभारी साथी राजकुमार दुबे और मुरैना जिला इकाई के अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के सचिव साथी रामशरण शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री यादव को आमंत्रण पत्र सौंपा और महाधिवेशन के मुख्यातिथि हेतु निवेदन किया । आमंत्रण मिलते ही श्री यादव ने पास बैठे विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्रसिंह तोमर की ओर मुखातिब होते हुए पूछा कि अध्यक्ष जी भी होंगे कि नहीं इस पर श्री तोमर ने अपनी स्वीकृति में हां बोलते हुए संगठन की तरफ से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से कहा कि आपको महाधिवेशन का उद्घाटन करने मुरैना आना ही है ।प्रतिउत्तर में मुख्य मंत्री ने कहा कि तो ठीक है । आमंत्रण पत्र को उनके साथ आए पीएसओ को सौंप दिया।

इमलिया गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर शुरू

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का विशेष शिविर शुरू हो गया है। यह शिविर 13 मार्च तक भोपाल के इमलिया गांव में आयोजित किया जाएगा। शिविर के उद्घाटन समारोह में गांव के सरपंच बबलेश पटेल और प्रमुख नागरिक विशाल पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय की ओर से सहायक आचार्य डॉ. एस कृष्णा, डॉ. एस टी पी कनकवल्ली और डॉ. गोकुलानंद तिवारी ने शिरकत की। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश कुमार वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवक कई गतिविधियों का आयोजन करेंगे। इनमें स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक और ग्राम सर्वेक्षण शामिल हैं। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग और संस्कृत संभाषण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल दीक्षित ने किया, जबकि चंद्रमणि शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। परिसर निदेशक प्रो. रामकांत पाण्डेय और सह निदेशक प्रो. नीलाभ तिवारी सहित सभी परिसर सदस्यों ने शिविर के लिए शुभकामनाएं दीं।

इंजीनियरिंग स्टूडेंट को प्रताड़ित करने वाला शेजान गिरफ्तार

भोपाल। युवक की प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा के सुसाइड के मामले में पुलिस ने आरोपी शेजान खान को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा को परेशान करने वाली केस की दूसरी आरोपी काजल सिंह फिलहाल फरार है। छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेश नागर ने बताया कि काजल सिंह ब्यूटी पार्लर चलाती है। आरोपी शेजान इसके यहां मैनेजर था और छात्रा साक्षी भी काम करती थी। कुछ समय पहले विवाद होने पर दोनों ने काजल के पार्लर से काम छोड़कर लालघाटी पर खुद का ब्यूटी पार्लर शुरू किया था। इसमें आरोपी शेजान और छात्रा पार्टनर थे। इस दौरान आरोपी, पार्टनर छात्रा को परेशान करता था। पुलिस को दिए बयान में छात्रा के परिजनों ने बताया है आरोपी उसे गलत काम में धकेलना चाहता था। छात्रा, आरोपी के साथ ब्यूटी पार्लर चला रही थी। इसकी जानकारी से इंकार किया है।

कबीट पुरा में हाई टेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर गिरा, दो वाहन जले

भोपाल। शाहजहानाबाद के कबीट पुरा इलाके में रविवार दोपहर अचानक हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तार गिरते ही उसमें आग लग गई। ऐसे में सड़क पर खड़ी दो गाड़ियां;एक एक्टिवा और एक बाइक जलकर खाक हो गईं। हालांकि, घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शी आमिर के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 12ः30 बजे हुई। एक गिलहरी खंभे पर चढ़ गई थी, जहां से हाई टेंशन लाइन गुजरी हुई थी। जैसे ही गिलहरी को करंट लगा, खंभे में आग लग गई और देखते ही देखते तार जलता हुआ नीचे गिर गया। हादसे के बाद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग के इमरजेंसी नंबर पर कॉल किया, लेकिन फोन नहीं लगा। वहीं, फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया, लेकिन सकरी गलियों के कारण दमकल की बड़ी गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंच सकीं। इसके चलते स्थानीय लोगों ने ही सूझबूझ से धूल और रेत डालकर आग पर काबू पाया। तार गिरने के बाद करीब 20 मिनट तक उसमें आग जलती रही, जिससे सड़क पर चार इंच गहरा गड्ढा हो गया। करीब बीस मिनट बाद बिजली विभाग ने लाइन बंद की, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, पिता बोले- युवक प्रताड़ित करता था

भोपाल। भोपाल के शाहजहांनाबाद में रहने वाली युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका। मृतका के पिता ने युवक की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी के आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। ममता कोटवार (20) निवासी संजय नगर शाहजहांनाबाद बंगलों में काम करती थी। मूल रूप ग्राम श्री नगर जिला महोबा उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी। मृतका के पिता कामलापथ कोटवार ने बताया कि भोपाल में उनका बेटा मुकेश रहता है। बीते पांच साल से बेटी उसी के साथ भोपाल में रह रही थी। फरवरी में लड़की की इंगेजमेंट उत्तर प्रदेश के एक लड़के से हुई थी। पुष्पेंद्र नाम का एक लड़का बेटी पर जबरन बात करने का दबाव बनाता था।

उसकी शादी तुड़वाने की धमकी देता था। इसी कारण लड़की डिप्रेशन का शिकार हो चुकी थी। कई बार उसने पुष्पेंद्र की प्रताड़ना से तंग आकर जान देने की बात कही। हम उसे समझा लिया करते थे। टीआई यूपीएस चौहान ने बताया कि परिजनों के डिटेल बयान फिलहाल दर्ज नहीं किए सके हैं। लड़की के मोबाइल की भी जांच कराएंगे और उसकी कॉल डिटेल को भी निकाला जाएगा।

बीमारी से परेशान होक पुजारी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, किराएदार ने दी सूचना

भोपाल। भोपाल के शिव नगर में रहने वाले पुजारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शनिवार सुबह 11.30 बजे उन्होंने आखिरी बार भाई से कॉल पर बात की। तब उन्होंने भाई से कहा कि शुगर की बीमारी से अब परेशान हो चुका हूं। इसके बाद शनिवार रात उनकी मौत की सूचना मिली। वहीं पुलिस का कहना है कि घटना स्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। देवेंद्र दुबे (48) पुत्र बाबूलाल मूलरूप से वीरपुर जिला रायसेन का रहने वाला थे। उनके पिता ने दस साल पहले भोपाल में मकान बना लिया था, अविवाहित होने के कारण पिता की मौत के बाद से देवेंद्र भोपाल स्थित उनके मकान में रह रहे थे। यहां वे एक मंदिर में पुजारी थे। उनके भाई कामता प्रसाद दुबे ने बताया कि बीते तीन सालों से देवेंद्र हैवी डायबिटीज के शिकार हो चुके थे। इसी कारण तनाव में रहते थे। आखिरी बार कॉल पर उन्होंने बीमारी से त्रस्त होने की बात कही थी। शनिवार की रात को सूचना मिली की भाई ने सुसाइड कर लिया है। यह सूचना उनके किराएदार ने कॉल कर दी थी।

हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों पर जानलेवा हमला, तीन डॉक्टर घायल

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों पर हमला कर मारपीट करने का मामला सामने आया है, जहां एक महिला मरीज की मौत के बाद डॉक्टर्स पर हमला किया गया। घटना हमीदिया अस्पताल में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है। मारपीट में तीन डॉक्टरों को चोटें आई हैं। हमीदिया अस्पताल के आईसीयू-3 में महिला मरीज डॉली बाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन और वहां मौजूद लोग नाराज हो गए और उन्होंने ऑन ड्यूटी डॉक्टरों पर हमला कर दिया। कुछ देर बाद करीब 20 25 लोग हथियारों के साथ वहां पहुंचे और डॉक्टरों से मारपीट की। मारपीट के दौरान आईसीयू में 10 से ज्यादा डॉक्टर मौजूद थे।

गांधी मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन आर. पी. कौशल ने बताया, एक गंभीर मरीज की मौत के बाद परिजन आईसीयू में घुस गए। डॉक्टरों के साथ मारपीट की। इसमें तीन डॉक्टर घायल हुए, घायलों की चोटें गंभीर नहीं है। हमने तुरंत घटना की शिकायत कोहेफिजा पुलिस से की। वहीं डॉक्टरों ने इस हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है।

वीडियो के आधार पर की जा रही पहचानडॉक्टर्स पर हुए हमले के बाद अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। मारपीट की इस घटना से जुड़े दो वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग डॉक्टरों पर हमला कर रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हुई है। बता दें कि अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं कि मरीजों के परिजन और रिश्तेदार अपनी निराशा का गुस्सा डॉक्टरों पर उतारते हैं। इससे न केवल डॉक्टरों को चोटें पहुंचती हैं बल्कि डॉक्टरों के चोटिल होने की वजह से अन्य मरीजों को भी इलाज नहीं मिल पाता। डॉक्टरों पर हमले को लेकर तमाम कानून भी बनाए गए हैं, फिर भी इस तरह की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पाई है। डॉक्टरों की सबसे बड़ी परेशानी यही है कि अगर मरीज की जान ना बच पाई तो उन्हें ये चिंता रहती है कि मरीज के परिजन उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त प्रावधान करने की जरूरत है। ड्यूटी डॉक्टर्स ने सीएमओ हमीदिया को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि हमीदिया अस्पताल में एक गंभीर घटना हुई है। आईसीयू में भर्ती मरीज डॉली बाई की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हुआ। मरीज को 9 मार्च 2025 को मृत घोषित किया गया था. इसके बाद लोगों की भीड़ ने आईसीयू में तैनात डॉक्टरों पर हमला कर दिया। गांधी मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन आर.पी. कौशल ने बताया कि एक गंभीर मरीज की मौत के बाद परिजन आईसीयू में घुस आए। डॉक्टरों के साथ मारपीट की। तीन डॉक्टर घायल हुए हैं, हालांकि उनकी चोटें गंभीर नहीं हैं। हमने तुरंत घटना की शिकायत कोहफिजा पुलिस से की है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि डॉक्टर समाज की सेवा में दिन-रात लगे रहते हैं, लेकिन यदि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। हमीदिया अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा एजेंसी की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। रवि ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से सुरक्षा एजेंसी को ब्लेक लिस्ट करने मांग की है। रवि परमार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जल्द कार्रवाई नहीं करती, तो ठरवक प्रदेशव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगी उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि डॉक्टरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं।

संपादकीय

एस. जयशंकर की सुरक्षा चूक कोई सामान्य घटना नहीं

ब्रिटेन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के रास्ते को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा रोके जाने के मामले को भारत सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। भारतीय जांच एजेंसियां इन प्रदर्शनकारियों में से हर एक को चुनचुन कर सामने लाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। इसके लिए उसने खालिस्तान समर्थकों के भारतीय कनेक्शन की तफ्तीश शुरू कर दी है। वीडियो फुटेज के आधार पर प्रदर्शनकारियों के पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। जांच एजेंसियों को इस बात का अंदेशा है कि कुछ महीने पहले इंडियन हाई कमीशन के सामने जो हिंसक प्रदर्शन किया गया था उनमें से कुछ प्रदर्शनकारी इस प्रदर्शन में भी शामिल हो सकते हैं।

ब्रिटेन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के रास्ते को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा रोके जाने के मामले को भारत सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। भारतीय जांच एजेंसियां इन प्रदर्शनकारियों में से हर एक को चुनचुन कर सामने लाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। इसके लिए उसने खालिस्तान समर्थकों के भारतीय कनेक्शन की तफ्तीश शुरू कर दी है। वीडियो फुटेज के आधार पर प्रदर्शनकारियों के पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। जांच एजेंसियों को इस बात का अंदेशा है कि कुछ महीने पहले इंडियन हाई कमीशन के सामने जो हिंसक प्रदर्शन किया गया था उनमें से कुछ प्रदर्शनकारी इस प्रदर्शन में भी शामिल हो सकते हैं। खुफिया सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक भारत में मौजूद इन खालिस्तानी समर्थकों की संलिप्तता तथा इस पूरे प्रकरण में उनके हाथ साबित होते हैं तो उनकी संपत्तियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल एस. जयशंकर की सुरक्षा में जो चूक हुई है, वह कोई सामान्य घटना नहीं है। खामोश नहीं बैठा जा सकता और न ही बर्दाश्त किया जा सकता है, लिहाजा यह निंदनीय घटना है। कुछ भी हो सकता था। जो खालिस्तान-समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। यकीनन यह ब्रिटिश पुलिस की लापरवाही है। उस खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया। सवाल यह है कि जहां विदेश मंत्री बैठक कर रहे थे, उसी स्थल के करीब खालिस्तान समर्थकों को, उनके कथित झंडे के साथ, प्रदर्शन करने की अनुमति क्यों दी गई? क्या ब्रिटिश सरकार और पुलिस का ऐसे अलगाववादी तत्त्वों के प्रति रवैया कुछ ज्यादा उदार और लचीला हो गया है? यदि यह सुरक्षा चूक, किसी विदेशी मंत्री या प्रतिनिधि के संदर्भ में, भारत में हो जाती, तो पश्चिमी और यूरोपीय देश आसमान सिर पर उठा लेते। सवाल और जिज्ञासा यह भी है कि आखिर अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी और ऑस्टे:लिया सरीखे देशों में खालिस्तान-समर्थक इतने निरंकुश और सक्रिय क्यों हैं? यह पहली घटना नहीं है। मार्च, 2023 में भारतीय उच्चायोग से तिरंगा उतार दिया गया था। ये सभी देश भारत के मित्र-देश, रणनीतिक साझेदार देश होने का भी दावा करते रहे हैं और खालिस्तानी उग्रवादियों, समर्थकों को भी पालते-पोसते रहे हैं। क्या ये देश वैचारिक और बुनियादी तौर पर 'खालिस्तान' को एक अलग देश के तौर पर मान्यता देने के पक्षधर हैं? यदि यह सोच है, तो वह पूरी तरह भारत-विरोधी है। सिर्फ कूटनीति या संबद्ध देश के उच्चायुक्त अथवा राजदूत को तलब कर, अपनी तल्खी दिखाने मात्र से ही इस सोच का समाधान हासिल नहीं होगा। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के स्तर पर यह द्विपक्षीय संवाद होना चाहिए कि खालिस्तान का समर्थन स्वीकार्य नहीं है। इन देशों को लोकतंत्र और मानवाधिकार की परिभाषाएं, कमोबेश भारत के संदर्भ में, बदलनी पड़ेंगी। क्या ये देश यह नहीं जानते कि भारत ने खालिस्तानी उग्रवादियों के खिलाफ कितनी लंबी लड़ाई लड़ कर उन्हें कुचला है और कितनी कुर्बानियों के बाद आज भारत और पंजाब में शांति-स्थिरता का माहौल है? गौरतलब यह है कि भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक की सरकार ने खालिस्तानियों पर शिकंजा कसने के लिए कई कदम उठाए थे। टास्क फोर्स को 1 करोड़ रुपए का फंड दिया था, ताकि सरकार खालिस्तान-समर्थक उग्रवाद से पैदा हुए खतरों को समझ सके। उनकी ऑनलाइन-ऑफलाइन धन उगाही पर भी निगरानी रखी गई थी। सुनक सरकार ने सिख समुदाय के साथ सक्रिय होकर काम किया, ताकि गुरुद्वारों और धर्मार्थ संगठनों का इस्तेमाल धन उगाही के लिए न किया जा सके। अब वहां प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी की सरकार है। उनका खालिस्तानियों के प्रति रुख नरम रहा है। बीते दो साल में स्टार्मर सरकार ने टास्क फोर्स को कोई नया फंड नहीं दिया, लिहाजा वह निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर है। चरमपंथियों की जो निगरानी की जा रही थी, वह भी शिथिल पड़ी है। ब्रिटिश गृह सचिव कूपर ने एक रपट पेश की थी, लेकिन उसमें सिर्फ खालिस्तान समर्थकों का जिक्र था, उन पर कार्रवाई को लेकर कोई उल्लेख नहीं था। खालिस्तान को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है, लिहाजा अधिकारी भी ऐसे तत्त्वों के खिलाफ कार्रवाई करने से हिचक रहे हैं। बहरहाल हमारे विदेश मंत्री ने यह महत्वपूर्ण घोषणा जरूर की- 'मुझे लगता है कि हम जिस हिस्से का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी है।'

हम तीन भाषा वाले फॉर्मूले पर क्यों अटके हैं?

रामाकांत अग्निहोत्री क्या भारत में कोई भाषा नीति है? इसका उत्तर है नहीं, क्योंकि तीन भाषा फॉर्मूला (टीएलएफ) बस यही है - एक सूत्र। नीति, भाषा की प्रकृति, संरचना और अधिग्रहण, शिक्षा से उसके संबंध, स्थानीय समुदाय के ज्ञान के भंडार और समाज के बारे में कुछ सैद्धांतिक समझ पर आधारित होगी। इसके विपरीत, टीएलएफ का जन्म भारत के सभी समुदायों के लिए एक समरूप बंधन बनाने के लिए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच हुए समझौते से हुआ था। यह सर्वमान्य समाधान मानता है कि अंग्रेजी हर भारतीय के लिए आवश्यक है और प्रत्येक छात्र को इसे दूसरी भाषा के रूप में सीखना चाहिए; पहली भाषा मातृभाषा / क्षेत्रीय भाषा होगी और तीसरी भाषा के लिए, दक्षिण भारत के छात्र हिंदी सीखेंगे और उत्तर भारत 'राष्ट्रीय एकता' के नाम पर तमिल जैसी दक्षिण भारतीय भाषा सीखेंगे। टीएलएफ कागज पर इतना आकर्षक लगता था कि 1966 के कोठारी आयोग के बाद से सभी नीति दस्तावेजों में टीएलएफ की सिफारिश की गई। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी शामिल है। असल में, टीएलएफ देशभर में अपनी विफलताओं के लिए अधिक जाना जाता है। उत्तर भारतीयों को तमिल या किसी अन्य दक्षिण भारतीय भाषा को सीखने में कोई लाभ नहीं दिखता और दक्षिण भारतीयों को हिंदी सीखने में कोई लाभ नहीं दिखता। उन्हें क्यों सीखना चाहिए? दक्षिण भारत अपनी क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी पर ही अड़ा हुआ है। तमिलनाडु जैसे राज्य इस बात पर गर्व करते हैं कि उन्होंने दो-भाषा नीति के साथ बेहतर भाषा और शैक्षिक परिणाम दिए हैं। उत्तर भारत में, हिंदी और अंग्रेजी के अलावा संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में अनुमति दी गई है। हालांकि, सभी भाषाओं में भाषा दक्षता का स्तर और शैक्षिक परिणाम आमतौर पर कम ही रहते हैं। कल्पना कीजिए कि असम के एक हिस्से में एक संथाल बच्चा बड़ा हो रहा है जहां संथाली (मुंडा भाषा) और बोडो (तिब्बती-बर्मी भाषा) आम तौर पर बोली जाती है। लेकिन जब यह संथाली बच्चा स्कूल जाता है, तो उसे पता चलता है कि वह एक भी शब्द नहीं समझ पाता है क्योंकि कक्षा में सारा काम असमिया में होता है। जल्द ही हिंदी और अंग्रेजी भी उसके पीछे पड़ जाती है। उसकी मातृभाषा क्या है? टीएलएफ के संदर्भ में, कौन सी भाषाएं वैध रूप से उसकी पहली, दूसरी और तीसरी भाषा मानी जानी चाहिए? भाषा सिर्फ शिक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका अभिन्न अंग है। ऐसी आम बहुभाषी स्थितियों में, जिस बच्चे की आवाज कक्षा में नहीं सुनी जाती, उसे जल्द या बाद में शिक्षा प्रणाली से बाहर

कर दिया जाता है। एनईपी 2020 एक ऐसा मामला है जिसमें भ्रम की स्थिति और भी बदतर हो गई है। मातृभाषा में शिक्षा पर बहुत जोर दिया गया है और इसके उपयोग की सिफारिश 'कम से कम ग्रेड 5 तक', 'लेकिन अधिमानतः ग्रेड 8 और उससे आगे तक' की गई है। हालांकि, इसकी परिभाषा लंबी दूरी तय करती है- मातृभाषा / घरेलू भाषा / स्थानीय समुदाय द्वारा बोली जाने वाली भाषा / क्षेत्रीय भाषा। बहुभाषावाद की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है, लेकिन इसे रैखिक और योगात्मक शब्दों में एल1 + एल2 + एल3 आदि के रूप में समझा जाता है। एनईपी 2020 के बारे में दावा किया जाता है कि यह राज्यों को अपनी इच्छानुसार कोई भी तीन भाषाएं चुनने की अनुमति देता है। लेकिन तीन ही होनी चाहिए। क्यों? ऊपर बताए गए संथाल छात्र के मामले में, यह चार या पांच भाषाएं हो सकती हैं। दक्षिण भारत में हिंदी थोपे जाने का डर हिंसा, आत्महत्या और अलगाव की धमकियों से भरा एक लंबा इतिहास रहा है। संविधान सभा की बहसों में, हिंदी के प्रति उत्साही लोगों ने महसूस किया कि दक्षिण भारतीयों को भारतीय एकता के नाम पर हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार करना चाहिए। मद्रास की जी दुर्गाबाई देशमुख ने कहा कि उन्होंने देवनागरी लिपि में हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार करके पहले ही एक बड़ा त्याग कर दिया है, खासकर 'गांधीवादी प्रस्ताव, अर्थात, भारत की आधिकारिक भाषा केवल वही होनी चाहिए जो आमतौर पर समझी जाती हो और आसानी से बोली और सीखी जाती हो।' मनुष्य की पहचान बहुभाषिकता से होती है। सिर्फ भारत ही नहीं है जो आधिकारिक तौर पर 1,652 भाषाएं बोलता है, पापुआ न्यू गिनी 800, फ्रांस 24, जर्मनी 25, स्पेन 16 और यूके 13 भाषाएं बोलता है। कई ऐसी भाषाओं को छोड़कर जिन्हें गिनती में मिटा दिया जाता है या व्यवहार में अदृश्य कर दिया जाता है। अंग्रेजी को 'एक भाषा' का पाठ्यपुस्तक उदाहरण माना जाता है। हालांकि, यह बहुभाषिकता, डायक्रोनिक और सिंक्रोनिक का एक क्लासिक उदाहरण है। अपनी जर्मनिक जड़ों के अलावा, इसकी शब्दावली और वाक्यविन्यास में लैटिन और रोमांस भाषाओं का एक मजबूत प्रभाव है; यह ग्रीक, फ्रेंच, इतालवी, स्पेनिश, हिंदी, चीनी सहित अन्य भाषाओं से बहुत अधिक उधार लेती है। एक बार जब भाषा और मानवता के सार्वभौमिक पहलुओं को मान्यता मिल जाती है, तो हमें भाषाई विविधता के स्थानीय संदर्भों और ज्ञान और सांस्कृतिक प्रथाओं के स्थानीय कोषों का सम्मान करना चाहिए। हर समुदाय को अपनी भाषाएं चुनने और मौजूदा ज्ञान को प्रसारित करने और नए ज्ञान का निर्माण करने के लिए शैक्षणिक रणनीतियों की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह राष्ट्रीय हित में है कि केंद्र सरकार राज्यों को अधिक स्वायत्तता और वित्त पोषण प्रदान करे और बदले में राज्य समरूप समाधानों की तलाश न करें। हाल ही में किए गए शोध से पता चला है कि सभी छात्रों की भाषाओं को एक स्थान प्रदान करना पूरी तरह से संभव है, कि 'एक शिक्षक', 'एक पाठ्यपुस्तक' और 'एक भाषा' के घुटनभरे प्रतिमान से बाहर निकलना संभव है। कक्षा में शिक्षार्थी जो बहुभाषी संसाधन लाते हैं, उनका उपयोग तर्कसंगत जांच, संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक सहिष्णुता को समृद्ध करने के लिए किया जा सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि शिक्षक एक शिक्षार्थी बना रहे। बता दें कि जब भारत राज्यों का संघ बना तो राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया। भौगोलिक नजदीकी जैसे दूसरे पहलुओं पर भी विचार किया गया, लेकिन भाषा प्राथमिक कारण बनी। भाषा आवश्यक निर्देशक सिद्धांत बन गई क्योंकि देश में ढेरों भाषाएं हैं - जो मौखिक, लिखित तथा साहित्यिक रूप में बहुत सशक्त हैं - और उनका समावेश बिल्कुल उसी तरह किया जाना था, जैसे विभिन्न रियासतों को एकीकृत भारत में मिलाया गया था। इस प्रकार कथित हिंदी पट्टी, द्रविड़ पट्टी, कन्नड़ पट्टी, तेलुगू पट्टी और दूसरी पट्टियां तैयार हुईं। अंग्रेजी और हिंदी संपर्क भाषा बन गईं। माना गया था कि इस व्यवस्था से सभी संतुष्ट हो जाएंगे और क्षेत्रीय भाषाओं को दोनों संपर्क भाषाओं के बराबर गौरव मिलेगा। लेकिन मेलजोल के इस विचार को आजादी के बमुश्किल दशक भर बाद ही चुनौती दे दी गई और उसकी शुरूआत दक्षिण ने ही की। तमिलनाडु में 1960 के दशक के हिंदी विरोधी आंदोलन ने भाषाई एकता की इमारत ही हिला डाली और ऐसा अविश्वास पैदा कर दिया, जो आज भी चल रहा है। लेकिन 1960 के दशक में जो हुआ, वह उससे पहले के एक अभियान की ही आगे की कड़ी था। हिंदी-विरोधी आंदोलन 1937 में तत्कालीन मद्रास प्रेसिडेंसी में शुरू हुआ। स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाने के विरोध में आरंभ इस आंदोलन में छात्रों से लेकर राजनेताओं और आम आदमी तक समाज के तमाम तबके शामिल हो गए। राज्य में सी राजगोपालाचारी के नेतृत्व वाले कांग्रेस शासन ने फैसला ले लिया था। ईवी रामासामी पेरियार जैसे विपक्षी नेताओं ने राजनीतिक हथकंडे के तौर पर विरोध शुरू किया और बाद में वह द्रविड़ आंदोलन के अगुआ बन गए। आंदोलन करीब तीन वर्ष तक चलता रहा। सरकार ने फौरन सख्त (कई लोगों की नजर में बर्बर) कार्रवाई की, जिसके कारण असंतोष सुलगता रहा और आंदोलन को काबू में किए जाने के बाद भी सुलगता रहा। अंत में 1940 में राजगोपालाचारी सरकार के इस्तीफे के बाद अंग्रेजों ने स्कूलों में हिंदी के अनिवार्य प्रयोग का निर्णय रद्द कर दिया। तमिलनाडु का जन्म ही इस विचार के साथ हुआ कि राज्य के लोगों पर हिंदी नहीं थोपी जाएगी।

अमेरिका अब आसरा नहीं रहा

'जब आप शैतान से कोई समझौता करते हैं, तो वह अपना बकाया वसूलने पलटकर जरूर आता है।' काश! तीन बरस पहले अमेरिका के भरोसे रूस को आंखें दिखाते वक्त वोलोदिमीर जेलेंस्की को यह सीख याद आई होती, तो आज उनकी और उनके देशवासियों की यह दुर्दशा न होती। यूक्रेन के लोग रूस और अमेरिका, दोनों के छल का शिकार हुए हैं, लेकिन आज की चर्चा अमेरिका के बदले रुख-रवैये पर। इसने समूची दुनिया को झिंझोड़कर रख दिया है। गई 5 मार्च को 'एड्रेस टु द नेशन' में ट्रंप ने कहा कि मेक्सिको, कनाडा और चीन के बाद वह अब भारत, ब्राजील सहित कई देशों पर उतना ही सीमा शुल्क लागू करेंगे, जितना वे अमेरिका से वसूलते रहे हैं। उम्मीद के अनुरूप इन देशों ने तत्काल पलटवार किया और शेयर बाजारों में इसकी विपरीत प्रतिक्रिया हुई। विश्व भर के निवेशकों को अपने अरबों डॉलर डूबते नजर आने लगे। इससे मची चिल्ल-पों से सकते में आए डोनाल्ड ट्रंप ने तीन देशों पर थोपे गए कर-युद्ध को 2 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया है, पर कयास कायम है, बकरे की मां भला कब तक खैर मनाएगी?

यही वजह है कि तमाम अर्थशास्त्री मुनादी कर रहे हैं कि ट्रंप साहब यदि 2 अप्रैल को अपनी जिद पूरी कर लेते हैं, तो दुनिया के बाजार मंदी की मार से बेहाल हो जाएंगे। मंदी आएगी या नहीं, आएगी तो कितनी और कब तक उसका कहर कायम रहेगा? इन सवालों के निश्चित जवाब भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना तय है कि आने वाले महीने निम्न मध्यवर्ग और निचले तबकों पर भारी पड़ने वाले हैं। अप्रैल में

अगर कर-युद्ध शुरू हो गया, तो महंगाई नई पींगें भर सकती है।

अब तक व्यापारिक संरक्षणवाद की मुखालफत करने वाले अमेरिका का यह रवैया क्या संरक्षणवाद को आगे बढ़ाने वाला नहीं है?

ट्रंप को नजदीक से जानने वाले उन्हें हमेशा से संरक्षणवादी और साम्राज्यवादी मानते हैं। उन्होंने जिस तरह मेक्सिको खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने के लिए दबाव बनाया, क्या वह उनकी साम्राज्यवादी सोच को उजागर नहीं करता है? इससे पहले वह कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने और ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धौंस दे चुके हैं। जस्टिन ट्रूडो को यदा-कदा कनाडा का गवर्नर बताते हुए उनकी खिल्ली उड़ाना भी यही जाहिर करता है।

यहां सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ट्रंप कनाडा और ग्रीनलैंड पर कोई सामरिक कार्रवाई करने का साहस करेंगे? अगर आंशिक तौर पर भी ऐसा होता है, तो फिर चीन को ताइवान और भारत को पाक अधिकृत कश्मीर संबंधी अपनी आकांक्षा पूरी करने से कौन रोक सकता है? आप चाहें, तो यहां भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस बयान पर नजर डाल सकते हैं। लंदन के चैथम हाउस में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब यह वापसी हो जाएगी, तो मैं आपको आश्वासन देता हूं कि कश्मीर समस्या का समाधान हो जाएगा।

तय है, ये दिन मौजूदा विश्व व्यवस्था में बड़े उलटफेर के लिए याद किए जाएंगे।

हालांकि, दुनिया के निजाम में दरकन का आरंभ सन् 1991 में उसी वक्त हो गया था, जब इराक पर अमेरिका और उसके मित्र देशों ने हमला बोल दिया था। उस समय संयुक्त राष्ट्र संघ सहित दुनिया के तमाम संगठनों ने इन ताकतवर देशों के सामने घुटने टेक दिए थे। कुछ बरस बाद अफगानिस्तान में यही खूनी खेल दोहराया गया। दोनों ही देशों में स्थानीय जनता से लोकतंत्र, समता और बंधुत्व के तमाम वायदे किए गए, लेकिन अपना मतलब निकल जाने के बाद उन्हें अधर में छोड़कर अमेरिकी फौजें स्वदेश कूच कर गईं। अफगानिस्तान में तो तालिबान ने सात हजार से अधिक उन दुभाषियों को मार डाला, जो मित्र देशों की फौज को भाषायी सहायता मुहैया कराते थे। इनमें से बहुतों को अमेरिकी नागरिकता का प्रलोभन भी दिया गया था।

बाद में यूक्रेन पर रूस के हमले और इजरायल के गाजा नरसंहार से यह तय हो गया कि ये विश्व संस्थाएं, जो 1945 से अब तक अमेरिकी सरपरस्ती में स्वतंत्रता, संप्रभुता और मानवीय गरिमा के पक्ष में काम कर रही थीं, दम तोड़ रही हैं। वैसे भी, ट्रंप की अगुवाई वाला अमेरिका अब एक-एक करके ऐसी तमाम संस्थाओं से मुक्ति पाना चाहता है, जो उसकी अकूत सामरिक और आर्थिक इमदाद से चल रही हैं।

कोई आश्चर्य नहीं है कि जिन मित्र देशों ने अमेरिका का द्वितीय विश्व युद्ध से अब तक साथ दिया, वे आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिकी उप-राष्ट्रपति ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जिस तरह यूरोपीय शीर्ष नेताओं को उनके मुंह पर खरी-खोटी सुनाई, वह विश्व कूटनीति के जानकारों के लिए अचंभा था। उम्मीद के अनुरूप इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई। इसके बाद व्हाइट हाउस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ ट्रंप की नोकझोंक भी अभूतपूर्व थी। पिछले हफ्ते यूक्रेन के सदर वोलोदिमीर जेलेंस्की को जिस अंदाज में जलील कर ओवल ऑफिस से बाहर निकाला गया, उसे इतिहास उन पन्नों में दर्ज करेगा, जहां मेमनों के प्रति भेड़ियों के निर्मम व्यवहार की गाथाएं लिखी हुई हैं।

कीव लौटकर मजबूर जेलेंस्की ने ट्रंप के समक्ष समर्पण कर दिया। अब यूक्रेन की खनिज संपदा पर अमेरिका का भी हक होगा। सवाल उठ रहे हैं कि क्या समझौते के बाद रूस कब्जा की हुई जमीन यूक्रेन को वापस लौटाएगा? यदि लौटाएगा, तो कितनी? अगर मॉस्को की हुकूमत यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से पर भी कायम रह बचती है, तो क्रीमिया को यूक्रेन से अलग करने के बाद यह रूसी साम्राज्यवाद की दूसरी विजय होगी। ऐसे में, सवाल उठना लाजिमी है कि तीन वर्ष की इस जानलेवा जंग का हासिल क्या रहा? क्यों 43,000 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई और लाखों लोगों को जलालत और जलावतनी का शिकार होना पड़ा?

यूक्रेन की इस जंग में अमेरिका के साथ यूरोप के देश भी आहुति दे रहे थे। इन घटनाओं ने इस महाद्वीप को झिंझोड़कर रख दिया है। यह एक खुला तथ्य है कि इराक और अफगानिस्तान के सैन्य अभियानों में नाटो की मदद से अमेरिका दुनिया में अपनी चौधराहट को कायम रख सका। अफगानिस्तान में उसके अगर 2,400 से अधिक फौजी शहीद हुए, तो ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस और इटली के 1,100 से अधिक जवानों ने अपनी बलि चढ़ाई। आज जब इनको धमकाया जा रहा है, तो सवाल उठता है कि भला इनकी इराक और अफगानिस्तान से क्या दुश्मनी थी? यूरोप को यह भी मलाल है कि उसने मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भले ही अपनी साख को कायम रखा, पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में उन्होंने अमेरिका के लिए खुला मैदान छोड़कर भारी भूल की। अब वे अपनी तमाम गफलतों से मुक्ति पाने के उपाय खोज रहे हैं।

तय है, हम एक नई विश्व-व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें जानलेवा क्षेत्रीय संघर्षों, बगावतों और दहशतगर्दी की प्रवृत्तियों में इजाफा हो सकता है। इससे हथियारों की होड़ बढेगी और जन-कल्याण पर खर्च होने वाले धन में कटौती होगी। ऐसे में, सवाल उठना लाजिमी है कि क्या 1990 के दशक से स्थापित हुए अमेरिकी शैली के पूंजीवाद का यही हासिल है?

डंके की चोट पर हिंदुस्तान पावर डाल रहा फ्लाईएश वाहन मालिकों की जेब पर डाका

ओवर स्पीड के नाम पर प्रतिमाह वाहन मालिकों से वसूली जा रही राशि, यहां चल रहा कंपनी का अपना कानून

सुशील सोनी । सिटी चीफ
जिले के जैतहरी स्थित हिंदुस्तान पावर प्लांट (मोजर बेयर)प्रबंधन की अपनी मनमानी नीतियों ने हर समय प्रभावित किसानों व स्थानीय नागरिकों के साथ धोखाधड़ी की है। इस बार मामला धोखाधड़ी का नहीं बल्कि फ्लाईएश का परिवहन कर रहे वाहन मालिकों की जेब पर डाका डालने का है। जिसमें ओवर स्पीड के नाम पर हर वाहन मालिक से एक मोटी रकम वेंडर के जरिए वसूल की गई है। इसको लेकर पीड़ित वाहन मालिकों ने शनिवार को मटेरियल गेट के सामने चक्का जाम करते हुए धरना दिया गया। इस मामले के संबंध में पहले ही मां नर्मदा फ्लाईएश ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के द्वारा प्रबंधन व प्रशासन को जानकारी दी गई थी, लेकिन फ्लाईएश का परिवहन करने वाले वाहन मालिकों की पीड़ा किसी ने नहीं समझी। जिसके कारण अब वाहन मालिक आंदोलन की राह पर हैं।

अनूपपुर, जिला प्रशासन अनूपपुर के सामने हिंदुस्तान पावर प्लांट प्रबंधन जैतहरी के द्वारा एक नई चुनौती खड़ी कर दी गई है। वह चुनौती है फ्लाईएश के परिवहन में लगे वाहनों की ओवर स्पीड पर वेंडर के माध्यम से वाहन मालिकों के बिल से प्रतिमाह रुपए काटे जाने की। यह तब स्पष्ट दिखाई पड़ा जब शनिवार को पावर प्लांट के मटेरियल गेट को मां नर्मदा ट्रक ओनर एसोसिएशन के द्वारा प्लांट प्रबंधन की मनमानी के विरोध में चका जाम कर दिया गया। फिर सवाल खड़ा होना तो लाजमी है कि सडक़ पर दौडऩे वाले वाहनों पर कार्रवाई का अधिकार तो सडक़ परिवहन विभाग या फिर यातायात विभाग को है। वैसे भी हिंदुस्तान पावर प्लांट जैतहरी का प्रबंध शासन का कोई उपक्रम नहीं है और ना ही शासन के द्वारा उसे संवैधानिक प्रावधानों के तहत प्रदाय नियमों में किसी प्रकार की कार्रवाई का विशेषाधिकार दिया गया है। ऐसे में हिंदुस्तान पावर प्लांट जैतहरी प्रबंधन द्वारा वाहन मालिकों के बिलों से काटी गई राशि खुलेआम डाका डालना न कहा जाए तो फिर क्या कहा जाए?

शासन का राजस्व डकार रहा प्रबंधन किसी भी औद्योगिक संस्थान के द्वारा निधारित की जाने वाली नीति व लागू किए जाने वाले प्रावधान की जानकारी प्रशासन देनी होगी, यह बात स्पष्ट है। क्योंकि किसी भी अपरिहार्य स्थिति से अंतः प्रशासन को जूझना पड़ता है। ऐसे में प्रबंधन ने यदि ओवर स्पीड के मामले में कार्रवाई का प्रावधान किया है तो उसकी जानकारी जिले के परिवहन व यातायात और पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक देनी चाहिए। क्योंकि यहां पर सीधे-सीधे एक मोटी रकम का राजस्व प्रतिमाह हिंदुस्तान पावर प्रबंधन जैतहरी के द्वारा वाहन मालिकों पर ओवर स्पीड के जरिए प्राप्त किया जा रहा है। लेकिन वह शासन के खाते में कहीं जमा नहीं है। जबकि शासन की आय का एक मात्र स्त्रोत विभिन्न प्रकार से प्राप्त होने वाला राजस्व है। जानकार सूत्र बताते हैं कि यहां राखड़ के परिवहन में लगभग 150 वाहन लगे हैं। प्रति वाहन पर 15 हजार रुपए ओवर स्पीड की राशि काटी जा रही है। ऐसे में बीते 6 माह से हिंदुस्तान पावर प्रबंधन के द्वारा लगभग 1 करोड़ रुपए वाहन मालिकों से इस मामले में प्राप्त किया है। सीधे तौर पर यह मप्र शासन को क्षति पहुंचाना है।

प्रशासन लेगा संज्ञान या होगी मनमानी यह कोई छोटा विषय नहीं है, क्योंकि कार्यपालिका के अधिकार एक निजी कंपनी के द्वारा अपने आप में समाहित कर लिए गए हैं। जबकि हमारे देश में सरकार के तीन अंग माने गए हैं और तीनों को अपनी अपनी शक्तियां प्रदाय की गई है। जिसमें कि विधायिका का काम कानून बनाना है और कार्यपालिका का मुख्य काम उन कानूनों को लागू कराना या उसका पालन कराना है। जबकि न्यायपालिका का काम उन कानूनों की समीक्षा करना है। लेकिन अनूपपुर ऐसा बिरला जिला होगा जहां शासन के कानून को एक निजी पावर कंपनी द्वारा अपने हाथ में खुलेआम लिया गया। ऐसे में जिला प्रशासन इस पूरे मामले में क्या हिंदुस्तान पावर प्रबंधन के विरूद्ध कार्रवाई का कदम उठाएगा या फिर उसकी मनमानी चलती रहेगी।

प्रदर्शनकारियों की यह भी है मांगें मां नर्मदा फ्लाईएश ट्रक एसोसिएशन के द्वारा जिला प्रशासन को प्रदर्शन के पूर्व दिए गए ज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रबंधन द्वारा फ्लाईएश के परिवहन में लगातार नए नए वेंडरों को कार्य देकर स्थानीय परिवहन कर्ताओं के लिए अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न की जा रही है। जिसका समाधान किया जाना चाहिए। वहीं वेंडरों के द्वारा प्रतिमाह नियत तारीख तक वाहन मालिकों को भुगतान नहीं किए जाने से वह जहां समय पर वाहन की किस्त अदा कर पाते हैं जिसके कारण उनकी क्रेडिट बैंक में खराब होती है। इसके अलावा परिवार के भरण पोषण के लिए भी उन्हें जूझना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर रोजगार होने के बावजूद कंपनी का स्वहित में दोहरा रवैया स्थानीय युवाओं को बेरोजगारी के कगार पर ले जाता दिखाई पड़ रहा है।

इनका कहना है

यह कंपनी का वेंडर से अनुबंध हो सकता है। लेकिन कंपनी द्वारा तय की गई कॉन्टेक्ट नीतियों का हमारे पास किसी प्रकार की जानकारी नहीं आई है। जांच करवाता हूं कि आखिर यह प्रावधान किस आधार पर किया गया है।

- सुरेन्द्र सिंह गौतम, जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर।

हमारे द्वारा 10 दिन पहले हिंदुस्तान पावर प्रबंधन जैतहरी को मांगों से भरा ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन प्रबंधन के द्वारा उसपर बात करना ही उचित नहीं समझा गया। जिसके बाद 8 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की सूचना एसडीएम जैतहरी को दी गई है। हमारी मांग है कि प्रबंधन किस अधिकार के तहत ओवर स्पीड के मामले में वाहन मालिकों की राशि काट रहा है, और नियम व प्रावधान बताया जाए। मांगे पूरी नहीं होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

- रवीन्द्र (रवि) राठौर, अध्यक्ष मां नर्मदा फ्लाईएश ट्रक एसोसिएशन जैतहरी।

कोठी थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस मनीष भारद्वाज ने कहा

निर्देशों का पालन कर शांति के साथ होली मनाए नगर वासी, हुड़दंग की तो खैर नहीं

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, जिले के अंतर्गत कोठी में होली एवं आगामी त्यौहारों को मध्देनजर रखते हुए कोठी थाना परिसर पर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया, एसडीएम रघुराज नगर एल आर जांगड़े कोठी तहसीलदार कमलेश भदौरिया नगर परिषद की अध्यक्ष सुखवंती बाई बुनकर विद्युत विभाग के अधिकारी हेमराज सेन भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी सहित अन्य अधिकारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में कोठी थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस मनीष भारद्वाज ने त्योहारों के लिए दिशा निर्देश जारी किए एवं समस्त नगर वासियों से सहयोग प्रदान करने की अपील की और कहा कि सभी नगरवासी जारी निर्देशों का

पालन कर होली एवं आगामी त्यौहार मनाए उन्होंने नगर परिषद कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि नगर में आवश्यक व्यवस्थाएं त्योहारों को ध्यान में रखते हुए समय से पूरा करें चाहे वह स्वास्थ्य संबंधी हो या जलकर संबंधित अथवा विद्युत संबंधित और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए अशांति फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं निर्देशों का पालन न करने वाले पर भी कार्रवाई की जाएगी किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दे और सहयोग प्रदान करें इस दौरान व्यापारी संघ के अध्यक्ष राम जी गुप्ता पूर्व अध्यक्ष राकेश सिंह बबलू ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोठी के अध्यक्ष नलिनेंद्र मिश्र डब्बू, यादवेंद्र सिंह पंजू यशवंत पांडे विवेक पाठक विनय सिंह गुड्डा संजय सोनी पीयूष अग्रवाल काजू अग्रवाल नीलू सोनी मोहम्मद इसरार खान संतोष चतुर्वेदी, उमेश कुशवाहा,लोकेश गर्ग ,बृजेश गर्ग सोनू अनमोल मिश्रा अमित सिंह सी पी तिवारी अखिल पांडे महेश सोनी सहित अन्य पत्रकार बंधु एवं नगर के अन्य गणमान्य नागरिक तथा कोठी थाने का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा.

एमपी में बीजेपी के वरिष्ठ नेता की मौत

एक शादी कार्यक्रम के दौरान आया था हार्ट अटैक

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, एमपी के वरिष्ठ बीजेपी नेता लक्ष्मी यादव का निधन हो गया है। वे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य भी रह चुके थे। एक शादी समारोह के दौरान अचानक वे गिर पड़े थे जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है।दरअसल, सतना के वरिष्ठ बीजेपी नेता लक्ष्मी यादव खजुराहो में स्थित एक होटल में आयोजित बीजेपी नेता रविंद्र सेठी के भतीजे के शादी समारोह में शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान ही उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा। जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं और सामाजिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

विश्व जल योगी के रूप में थी विशेष पहचान सतना शहर के कोलगवा क्षेत्र के निवासी लक्ष्मी यादव विश्व जल योगी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने महज 14 वर्ष की उम्र से ही जल के अंदर योग करना शुरू किया था। वे करीब 6 फीट गहरे पानी में बड़ी आसानी से जलयोग करते थे। हाल ही में उन्होंने उत्तर प्रदेश के

प्रयागराज महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाकर जलयोग किया था। उनका यह अनूठा जलयोग सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था।

लक्ष्मी भाई कहकर बुलाते थे लोग लक्ष्मी यादव का व्यवहार सरल, सौम्य और सभी के प्रति मिलनसार था, जिसके कारण वे हर वर्ग में लोकप्रिय थे। सतना जिले में लक्ष्मी यादव को लोग लक्ष्मी भाई के नाम से जानते थे। बड़े लोग उन्हें लक्ष्मी भाई और लोग भाई कहकर पुकारते थे।

सीएम ने जताया दु:ख लक्ष्मी यादव के निधन के पर सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होने लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री लक्ष्मी यादव जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। बाबा महाकाल दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें, यही प्रार्थना करता हूं।

नगर परिषद जैतहरी अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता की दूरदर्शी सोच से राजेश राठौर को मिली सफलता

सुशील सोनी । सिटी चीफ नगर परिषद जैतहरी की अध्यक्षता में उमंग अनिल गुप्ता की दूरदर्शी सोच और सतत प्रयासों से क्षेत्र में शैक्षणिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई थी। इसी पहल के तहत नगर परिषद द्वारा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी एंड स्मार्ट क्लासेज की स्थापना की गई, जिसका लाभ अब क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थी उठा रहे हैं। इस लाइब्रेरी में उच्च गुणवत्ता की पुस्तकें, डिजिटल संसाधन, शिक्षित मार्गदर्शक, और योग प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था है, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

इस हाईटेक लाइब्रेरी से कई छात्र लाभान्वित हुए हैं, जिनमें से एक राजेश राठौर भी हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। राजेश राठौर ने अपनी सफलता का श्रेय नगर परिषद जैतहरी और विशेष रूप से अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता को दिया। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जैतहरी जैसे ग्रामीण क्षेत्र में एक आधुनिक लाइब्रेरी की स्थापना से न केवल उन्हें बल्कि अन्य कई विद्यार्थियों को भी लाभ मिल रहा है। **उन्होंने कहा**—इस लाइब्रेरी की वजह से मुझे अपनी पढ़ाई के लिए उचित माहौल और संसाधन मिले। मैं नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता जी का हृदय से धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में यह अद्भुत कार्य किया। यह पहल आने वाले समय में कई छात्रों का भविष्य उज्ज्वल बनाएगी।

नगर परिषद जैतहरी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजेश राठौर की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। परिषद के कर्मचारियों का कहना है कि यह लाइब्रेरी आगे भी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने इस अवसर पर कहा—
हमारा प्रयास हमेशा से यही रहा है कि जैतहरी के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधाएँ और संसाधन मिलें। हमारी लाइब्रेरी से लाभान्वित होकर जब छात्र सफलता प्राप्त करते हैं, तो यह हमारे लिए भी गर्व की बात होती है। हम आगे भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

नगर परिषद जैतहरी की लाइब्रेरी से सफलता की ओर बढ़ते कदम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी एंड स्मार्ट क्लासेज ने जैतहरी क्षेत्र के कई छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया है। इस लाइब्रेरी में उपलब्ध संसाधनों से छात्र MPPSC, UPSC, बैंकिंग, रेलवे और अन्य सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयुष चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान

डॉ. संगीता प्रजापति को महिला सशक्तिकरण के तहत सम्मानित किया गया

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम जी ने महिला सशक्ति करण एवं महिला दिवस पर अनूपपुर जिले की कोतमा स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ आयुष चिकित्सा में कार्यरत सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया यह डॉक्टर संगीता प्रजापति जी की मेहनत एवं उनके मिलनसार स्वभाव मरीज के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए दिया गया कोतमा स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर संगीता प्रजापति अपने काम के प्रति और लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जानी जाती हैं उनके द्वारा आयुष चिकित्सा का महत्व लोगों को समझाया गया एवं आयुष चिकित्सा के द्वारा शरीर में साइड इफेक्ट होने की संभावना बहुत कम होती हैं जिससे आज कोतमा हॉस्पिटल में डॉक्टर संगीता प्रजापति के द्वारा प्रतिदिन 120 से लेकर 140 मरीज को अपना परामर्श एवं आयुष की दवाइयां द्वारा इलाज किया जाता है जिससे लोगों को लाभ मिलता है

डॉक्टर अवधिया सर ने सील कर दी थी झोलाछाप डॉक्टरों की दुकान

रिटायरमेंट के बाद उन्हें फिर खुली

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिले भर के लगभग सभी तहसीलों में झोलाछाप छाप डॉक्टरों की भरमार हो गई हैं, ग्रामीणों का हाल बेहाल हैं, मौसमी बीमारी के चलते लोंग शासन के अस्पतालों में जाते है, जिसमे ज्यादातर डॉक्टर नर्स हॉस्पिटल से नदारत रहते हैं या फिर ऐसे लोग रहते हैं जो महंगी 2 दवाई का प्रिस्क्रिप्शन लिख कर उनके सेटिंग वाले मेडिकलो से ही महंगी 2 दवाई मंगवाते हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के गरीब मरीज मजबूर होकर झोलाछाप डाक्टरों से इलाज कराने मजबूर हैं, जिसके द्वारा हरी पीली गोली देकर मोटी रकम वसूली जा रही हैं। जैसे अनूपपुर, पुष्पराजगढ़ कोतमा, भालूमाड़ा, और आसपास के ग्रामीण अंचलों में गैर पंजीकृत डॉक्टरों (झोलाछाप) व अस्पतालों की भरमार हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है इनमें कई डॉक्टर जो अवैध रूप से घर पर चिकित्सकीय कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के नाक के नीचे अवैध व्यवसाय कर जन जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इन झोलाछाप डॉक्टरों के इलाज से कई मरीज की मृत्यु तक हो जाती है, लेकिन जानकारी के अभाव में किसी के खिलाफ कोई कर्यवाही नही होती है। दूसरी ओर जागरूकता की कमी, गरीबी और अशिक्षा की वजह से शिकायत भी दर्ज नहीं कराया जाता है। लोगों का कहना है कि कई पीड़ित परिवार को आज तक न्याय नहीं मिल पाया। अशिक्षा आर्थिक अभाव, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और

प्रशासनिक लचर व्यवस्था की वजह से झोलाछाप चिकित्सकों के मकडजाल में समूचा जिला फंस गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होने की वजह से ये झोलाछाप चिकित्सक सस्ते उपचार के नाम पर मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ करते हैं। कई मर्तबा देखा गया कि झोलाछाप डाक्टरों के इलाज से मरीजों की हालात बिगड़ जाती है या किसी का इंजेक्शन पक जाता है या फिर किसी को दवाएं नुकसान कर जाती है। ऐसे में मरीज को शहर जाकर सेटिंग वाले निजी अस्पताल में भेज दिया जाता है जहां ठीक हो गया तो या मौत हो जाने पर भी झोलाछाप डॉक्टर की कमीशन जोड़ कर भारी भरकम बिल थमा दिया जाता है। गरीब दोनों तरफ से लुटता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कर्मनिष्ठा फाउंडेशन ने किया रंगारंग कार्यक्रम और विशिष्ट क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं का सम्मान

सुशील सोनी । सिटी चीफ
स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं के एकमात्र फाउंडेशन कर्मनिष्ठा फाउंडेशन ने पृथक तरीके से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. प्रियंका त्रिपाठी और कोर ग्रुप की मेंबर सोनिया शाकिर ने दीप प्रज्वलन किया। सर्वप्रथम डॉ. प्रियंका ने फाउंडेशन की स्थापना और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए नारियों की समाज में अहम भूमिका पर रोशनी डाली और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित कविता पढ़ी । फाउंडेशन के मेंबर एवं शहर की उपस्थित अन्य महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। काव्य पाठ शिवानी तिवारी, सोनाली सक्सेना, साक्षी सीतलानी और छाया गुप्ता ने, नृत्य सुगंधिता सराफ, निधि श्रीवास्तव और क्षमा मिश्रा ने फिल्मी गीत ज्योतिका श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। फाउंडेशन की सभी स्थानीय सदस्यों ने अपने-अपने व्यवसाय और अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम में विशिष्ट क्षेत्र में उपलब्धि अर्जित करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया जिसमें विशेष रूप से श्रीमती अमिता चपरा को प्रथम महिला भाजपा जिला अध्यक्ष बनने पर, डॉ. सुधा नामदेव और रूपाली सिंघई को सिकल सेल और थैलेसीमिया जैसी बीमारी के लिए कैंप और लोगों को जागरूक करने के उल्लेखनीय कार्य करने पर एवं श्रीमती किरण पाठक को सामाजिक क्षेत्र में उपलब्धि अर्जित करने पर शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। डॉ. प्रियंका ने फाउंडेशन के सभी मेंबर्स को महिला दिवस की बधाई देते हुए उन्हें स्मृति स्वरूप आकर्षक गिफ्ट दिया। महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए रोचक प्रश्न पूछे गए और उत्तर देने वाली बहनों को आकर्षक गिफ्ट भी दिए गए। भाजपा नेत्री अमिता चपरा ने अपने उद्बोधन में नारी सशक्तिकरण के लिए फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए डॉ. प्रियंका को बहुत-बहुत बधाई दी। कार्यक्रम में सतत रूप से सक्रिय रहकर मेंबर्स ने कार्यक्रम को सफल बनाया जिनमें प्रमुख रूप से मनीषा चौबे, सोनाली सक्सेना, नीतू साहा, सुगंधिता सराफ, किरण पाठक, शालिनी शुक्ला, शिवानी तिवारी, दुर्गा गुप्ता, सुनीता सोनी, शिखा केसरवानी, साक्षी सीतलानी, सोनिका अग्रवाल बुढ़ार, अलका जैन जनकपुर हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से रिंकी दुबे, ज्योतिका श्रीवास्तव, शशि गुप्ता, छाया गुप्ता, शोभना वशिष्ठ, निर्मल बग्गा, जगजीत बग्गा, अनमोल बग्गा, पूनम जैन, क्षमा मिश्रा, निधि श्रीवास्तव, दीपिका शर्मा, मंजरी शुक्ला, सीमा अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन फाउंडेशन की कोर मेंबर सोनिया शाकिर के द्वारा किया गया।

विंध्य आइकॉनिक बिजनेस अवार्ड 2025 में यशवंत पाण्डेय हुए सम्मानित

कोठी भाजपा पूर्व मण्डल अध्यक्ष है यशवंत पाण्डेय व्यापारियों ने किया सम्मान

छत्रसाल सिंह । सिटी चीफ
सतना, विंध्य आइकॉनिक बिजनेस अवार्ड 2025 का आयोजन रीवा के होटल लैंडमार्क में विगत रात्रि एक मंच में 2 बड़े आयोजित किए गए, जिससे युवा समाजसेवी, व युवा उद्योगपतिओ, विंध्य मे उत्कृष्ट कार्य से नाम रोशन करने वालों को सम्मानित किया गया आज स्नेहा इवेंट मैनेजमेंट की टीम द्वारा आज कोठी में यशवंत पाण्डेय के कार्यालय में नारियल फूल माला पहनाकर और अवॉर्ड दे के सम्मानित किया गया।व्यापारी व समाजसेवी उपस्थित रहे!

नर्मदा नहर में डूबीं चार बच्चियां, दो की मौत

एक सुरक्षित, एक अब भी लापता

सुशिल यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के उमरियापान के समीप नर्मदा नहर में चार बच्चियों के डूबने की दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में दो बच्चियों की मौत हो चुकी है, जबकि एक बच्ची सुरक्षित है और चौथी बच्ची की तलाश जारी है। यह हादसा उस वक्त घटित हुआ जब चारों बच्चियां नहर में नहाने गई थीं। मृतक बच्चियों की पहचान सिद्धि पटेल12 वर्ष, कक्षा आठवीं एवं अंशिका पटेल 14 वर्ष कक्षा नवमी के रूप में हुई है, वही जिस बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला गया है उसका नाम अन्नया पटेल पिता अमित पटेल 12 वर्ष है जबकि मृत सिद्धि की छोटी बहन मानवी पटेल 8 वर्ष अब भी लापता है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है, और प्रशासनिक अमला लगातार चौथी बच्ची की तलाश में जुटा हुआ है। पुलिस ने बताया कि परसवारा गांव की चार बच्चियां उमरियापान के समीप नर्मदा नहर में नहाने के लिए गई थीं। नहर का पानी गहरा होने के कारण तीनों बच्चियां उसमें डूबने लगीं। आस-पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे उन्हें तुरंत बचाया नहीं जा सका। कुछ देर बाद जब स्थानीय लोगों को इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने प्रशासन को सूचित किया और बच्चियों की तलाश शुरू की गई। बचाव कार्य में लगे स्थानीय गोताखोरों और पुलिस दल ने सिद्धि पटेल और अंशिका पटेल के शव बरामद कर लिए, वही एक बच्ची अन्नया पटेल पिता अमित पटेल 12 वर्ष को सुरक्षित बचा लिया गया लेकिन आठ वर्षीय मानवी पटेल अब भी लापता है। गोताखोर और प्रशासनिक अधिकारी उसकी तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण खोज अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं। जैसे ही यह खबर गांव में फैली, चारों ओर शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सिद्धि और अंशिका की मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है। मृतक बच्चियों के माता-पिता को सांत्वना देने के लिए आस-पास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में जुट गए हैं। परिजनों के अनुसार, यह पहली बार नहीं था जब ये बच्चियां नहर में नहाने गई थीं, लेकिन इस बार यह हादसा हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस नहर के किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने चाहिए थे और बच्चों को नहर में जाने से रोकने के लिए उचित प्रबंध करने चाहिए थे। इस घटना की सूचना मिलते ही उमरियापान थाना प्रभारी और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने गोताखोरों की मदद से तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ ही घंटों में दो बच्चियों के शव बरामद कर लिए गए वही एक बच्ची को सुरक्षित बचाया गया लेकिन चौथी बच्ची अब भी लापता है। प्रशासन ने स्थानीय गोताखोरों और राज्य आपदा मोचन बल (स्ष्ठक्रस्न) की टीम को भी खोज अभियान में शामिल किया है। नहर में पानी का प्रवाह तेज होने के कारण खोज अभियान में मुश्किलें आ रही हैं, लेकिन प्रयास जारी हैं।

सोने की मोहर की लालच मे राजस्थान के दों युवकों ने रची लूट की झूठी कहानी

पुलिस नें की जांच पड़ताल की तों पाया की पैसे के लेनदेन पर हुई थी मारपीट, पुलिस नें दर्ज किया मामल

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, सोने की मोहर की लालच में कटनी जिले पहुंचे दो राजस्थान व्यक्तियों के साथ कुछ पारधियो ने रुपए लोने के बाद मारपीट घायल कर दिया जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है..अस्पताल में भर्ती घायल दोनों राजस्थानियों ने पहले एक झूठी कहानी रच बताया था कि उनके साथ कुछ लोगो द्वारा मारपीट कर उनसे 25 हज़ार रुपए की लूट कर फरार हो गए है, वही जब कोतवाली पुलिस ने घायल राजस्थानियों व्यक्तियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने इस इस पूरे मामले की सच्चाई बताते हुए पुलिस को बताया कि वे लोग सोने की मोहर की लालच में कटनी पहुंचे थे और वे लोग परिधियों से मुलाकात कर उन्हें ऑनलाइन 10 हज़ार और 75 हज़ार रूपये कैश दिए और सोने की मोहरों की मांग की तो उनसे बात विवाद हो गया और परिधियों ने उससे मारपीट कर उनपर चाकू से हमला किया और मौके से फरार हो गए। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि घायल दोनों व्यक्ति राजस्थान के माधोपुर के निवासी है। जिनके साथ बस स्टैंड पुलिस चौकी बायपास मार्ग पर चाकू से हमला किया गया था उन्होंने ने पहले पुलिस को दिए गए बयान में बताया था कि उनके साथ चाकू से हमला कर लूटपाट की घटना हुई हैं। वही कोतवाली पुलिस ने

इस पूरे मामले की संघनता से जांच करते हुए दोनों व्यक्तियों की लूट की झूठी कहानी का पर्दाफाश कर दिया हैं। कोतवाली पुलिस ने बताया कि घायल दोनों व्यक्ति हरिबाबू यादव एवं रविन्द्र राजपूत राजस्थान के सवाई माधोपुर निवासी है, पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। घायल हरिबाबू यादव एवं रविन्द्र राजपूत की मुलाक़ात कुंभ मेला प्रयागराज मे मौनी अमावस्या के दिन कुछ पारधी लोग मिले थे जिनके द्वारा सोने की मोहर दिखाकर लालच दिया गया था। लोगो का आपस मे सोने के मोहर का लेन देन को लेकर मोबाइल पर आपस में बातचीत होने लगी थी। जिसके बाद युवक एक हफ्ते पहले सोने की मोहर लेने के लिये कटनी बायपास आए थे। जहाँ 8 हजार रूपये मूल्य की सोने के दो मोहर बिना पैसा दिए सवाई माधवपुर राजस्थान वापस चले गए थे,दोनों असली सोने की लालच में आकर दयोदय एक्सप्रेस से 8 मार्च को कटनी पहुंचें जहाँ अपने साथी रविन्द्र राजपूत के साथ कटनी मुडवारा स्टेशन से आटो बुक करके कटनी द्वारा बायपास गये जहाँ दो लोग मिले जिनसे सोने की मोहर को लेकर लेन देन की बात हुई और 10 हजार रूपये दिये गये मोबाइल नंबर पर 75 हज़ार रूपये ट्रान्सफर किये। सोने के मोहर की मोलभाव व पैसे की लेनदेन को लेकर दोनों राजस्थानी युवकों और अज्ञात पारधीयों के बीच कहाँ सुनी के साथ मारपीट की घटना हुई जिसमे दोनों युवक घायल हों गए।
मारपीट में दोनों युवकों को गंभीर चोटे आई हैं जिन्हे इलाज के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी में भर्ती कराया गया है। पुलिस मारपीट करने के बाद अज्ञात लोग की तलाश घायल युवकों के द्वारा के द्वारा दिए गए फोन नंबर के आधार पर तकनीकी अनुसंधान से कर रही हैं।

यशवीर महाराज देवबंद के मोहल्ला बैरून कोटला में स्थित सैनी समाज के खंडहरनुमा मंदिर में यज्ञ-हवन करने पहुंचे

स्वामी यशवीर महाराज ने योगी सरकार से मंदिर का सौंदर्यकरण कराने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार आज मुजफ्फरनगर के बघरा स्थित योग साधना आश्रम के पीठाधीश्वर यशवीर महाराज देवबंद के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र मोहल्ला बैरून कोटला में स्थित सैनी समाज के खंडहरनुमा मंदिर में यज्ञ-हवन करने पहुंचे। इस दौरान बड़ी तादाद में मोहल्ला बैरून कोटला, पठानपुरा, रेती चौक, मोहल्ला किला आदि स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा।यशवीर महाराज ने करीब दो घंटे तक बैरून कोटला स्थित शिव मंदिर में अपने साथियों के साथ पूजा और हवन यज्ञ किया। इस दौरान स्वामी यशवीर महाराज ने योगी सरकार से मंदिर का सौंदर्यकरण कराने की

मांग की। यशवीर महाराज ने पिछले दिनों एक वीडियो बयान जारी कर कहा था कि देवबंद की मुस्लिम आबादी बैरून कोटला में स्थित खंडहरनुमा प्राचीन शिव मंदिर में नौ मार्च को हवन यज्ञ किया जाएगा। यशवीर महाराज के देवबंद पहुंचने को लेकर यहां सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे, जगह-जगह पुलिस बल तैनात था। खासकर मोहल्ला बैरून कोटला, पठानपुरा, रेती चौक और आसपास के क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल के साथ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। हालांकि मुस्लिम मोहल्ले में मंदिर में पूजा होने के कारण मुस्लिम समाज की ओर से किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। करीब दो घंटे तक हवन यज्ञ कर यशवीर महाराज वापस लौट गए। वापस लौटते समय उन्होंने मीडिया को बताया कि आज मंदिर को जाग्रत करने का कार्य किया गया। अब निरंतर इसमें पूजा- अर्चना चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से आग्रह करते है कि वह इस मंदिर पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए और इसका उद्धार कराने का कार्य करें। इस दौरान ठाकुर सुरेंद्रपाल एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मौके पर एसडीएम देवबंद युवराज सिंह, सीओ देवबंद रविकांत पाराशर और देवबंद कोतवाली प्रभारी बीनू चौधरी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान देवबंद का माहौल पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा।

जहां पहुंचता हूं वही आमंत्रण मिलता है: मुरैना आऊंगा- मुख्यमंत्री

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
सतना, मैं जिस जिले में भी जाता हूं आपके संगठन के लोग मुझे मुरैना महाधिवेशन काआमंत्रण सौंप रहे हैं।उक्त बात प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संगठन की सतना जिला इकाई के महासचिव साथी मनोज मिश्रा द्वारा आमंत्रण पत्र ग्रहण करते वक्त कही । श्री यादव सतना के रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह विकी के यहां डॉ मोहन यादव का अल्प प्रवास था। जहां पहुंच कर सतना जिला इकाई के महासचिव साथी मुकेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री से भेंट कर मुरैना महाधिवेशन का आमंत्रण पत्र दिया मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गौर से आमंत्रण को पढ़ा और कहा जहां पहुंचता हूं वही आमंत्रण मिलता है जरूर पहुंचूंगा। स्मरणीय है इस अवसर पर विधायक विक्रमसिंह के अलावा प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा बागरी भी उपस्थित थीं।

सतना से छिनी एक और पहचान

मैहर जिले की हुई टाइगर सफारी

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, सतना जिले को विभाजित कर मैहर को अलग जिला बनाने के बाद भी मैहर वनमंडल अभी तक सतना वन मंडल के अंतर्गत ही आता था। राज्य शासन ने 7 मार्च को नोटिफिकेशन जारी कर सतना मंडल से अलग करते हुए नया मैहर वन मंडल गठित कर दिया है। नए मैहर वन मंडल का मुख्यालय भी मैहर होगा। इसके साथ ही मैहर वन मंडल कार्यालय प्रारंभ करने के लिए वन मंडलाधिकारी के एक पद सहित 24 नए पद भी स्वीकृत किए हैं। वन मंडलाधिकारी का पद भारतीय वन सेवा संवर्ग का स्वीकृत किया गया है।

ऐसे होगी मैहर वन मंडल की प्रशासनिक संरचना वन मंडल मुख्यालय मैहर होगा। दो उप वन मंडल मुख्यालय मैहर और व्हाइट टाइगर सफारी बनाए गए हैं। मुख्यालय मैहर होगा। वन परिक्षेत्र मुख्यालय मैहर, अमरपाटन, मुकुन्दपुर होंगे। मैहर वन परिक्षेत्र में अमदरा, भदनपुर और मैहर उप वनपरिक्षेत्र होंगे जिसमें 20 बीट होंगी और इसका क्षेत्रफल 31523 हेक्टेयर होगा। अमरपाटन परिक्षेत्र में अमरपाटन, गोरसरी और रामगढ़ उप वन परिक्षेत्र होंगे। इसमें 13 बीट होंगी और इसका क्षेत्रफल 18779 हेक्टेयर होगा।

मुकुन्दपुर परिक्षेत्र में मुकुन्दपुर, जिगना और रामगढ़ उप वन परिक्षेत्र होंगे जिसमें 15 बीट होंगी और क्षेत्रफल 10537 हेक्टेयर होगा।

सतना से 160 पद मैहर मंडल में जाएंगे उप वन मंडलाधिकारी के 2 पद, वन क्षेत्रपाल 6, उप वनक्षेत्रपाल 5, वनपाल 18, वनरक्षक 60, मुख्य लिपिक 1, लेखापाल 1, सहायक ग्रेड 2 का 1 पद, सहायक ग्रेड 3 के 3 पद, पशुचिकित्सक 1, सहायक पशु चिकित्सक 1, अनुसंधान सहायक 1, जीव विज्ञानी 1, प्रयोगशाला सहायक 1, वाहन चालक 2, चतुर्थ श्रेणी 2, संविदा 26, स्थायी कर्मी 27 और दफ्तरी का 1 पद सतना वन मंडल से मैहर वन मंडल में अंतरित होगा।

अब यह बचा सतना वन मंडल में सतना मंडल में अब सतना और चित्रकूट उप वनमंडल बचे हैं। सतना उप वनमंडल में सतना, ड्क्षसहपुर, उचेहरा और चित्रकूट उप वनमंडल में नागौद, चित्रकूट, बरौंधा और मझगवां रहेंगे। सतना वनमंडल में अब 1,65,834 हेक्टेयर एरिया बचा है।

व्हाइट टाइगर सफारी को उप वनमंडल दर्जा व्हाइट टाइगर सफारी और चिड़ियाघर मुकुन्दपुर को उप वनमंडल का दर्जा दिया गया है। यहां निदेशक मौजूद रहेंगे। मैहर विभाजन के बाद भी व्हाइट टाइगर सफारी सतना वनमंडल के अंतर्गत आती थी। लिहाजा जिला विभाजन के बाद भी इसे सतना की कैफियत में देखा जाता था। लेकिन मैहर वन मंडल गठित हो जाने के बाद मुकुंदपुर सफारी अब पूरी तरह से मैहर जिले के अंतर्गत आ गई है।

मैहर वन मंडल में ये नए पद स्वीकृत नए गठित मैहर वन मंडल के लिए डीएफओ का एक पद, उप वन क्षेत्रपाल के 4 पद, वन रक्षकों के 6 पद, शीघ्र लेखक 1, मानचित्रकार 1, लेखापाल 1, सहायक ग्रेड 2 के 2 पद, सहायक ग्रेड 3 के 9 पद स्वीकृत किए गए हैं।

मातृशक्ति दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले राधे महिला मंडल सहित महिलाओं को सम्मानित किया गया

बदनावर। एवरग्रीन महिला मंडल तथा नारी जागरण मंच बदनावर द्वारा पीपलेश्वर मंदिर पर महिला दिवस मनाया गया। बदनावर नगर की प्रतिष्ठित महिला शक्ति को विभिन्न कार्य क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों की उपलब्धि पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राधे महिला मंडल का जिन्होंने शिव बारात में भगवान के रथ के सामने स्वच्छता कर जो नई पहल की गई थी उस उत्कृष्ट कार्य के लिए राधे मंडल की सुनीता डोडिया,अलका सोनी, सुगना गुर्जर,लीलाबाई राठौर,हेमलता जोशी,भगवती जोशी,सुशीला शर्मा,गंगा यादव ,चंदा चौहान बेबी सोलंकी, शांताबाई,सीमा शर्मा और अनुपम शर्मा का सम्मान एवरग्रीन ग्रुप तथा नारी जागरण मंच दोनों ने संयुक्त रूप से सम्मान किया है।जुबां और योग में अपना योगदान देने पर अनुपमा शर्मा का भी स्वागत किया गया। सुषमा पाठक ने महिलाओं को अपनी सुरक्षा स्वयं को करनी है तथा अपने को किसी भी परिस्थिति में

अपने को शक्तिशाली बनाना है। जय श्री भट्ट का कहा की आज महिला किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है हर क्षेत्र में पुरुषों के भाती सहभागिता निभा रही है। अंतिम सोनी ने अपने शब्दों में कहा की आज की महिलाएं ने व्यावसायिक क्षेत्र के साथ साथ विज्ञान के क्षेत्र में भी उन्नति की है जिसका परिणाम है कि महिलाएं चांद पर पहुंच गई है। मंजू लिटोरिया ने अपने उद्बोधन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में उपस्थिति महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि पुराने समय और वर्तमान में काफी अंतर आ गया है। पहले महिलाएं घर से निकलती नहीं थी तथा स्वतंत्र रूप से अपनी प्रतिभा को उजागर नहीं कर पाती थी। आज हर महिला अपनी प्रतिभाओं को लेकर पूरे समाज को गौरांवित करती दिखाई दे रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हुई अपने को किसी भी क्षेत्र में अपनी अहम योग्यता रखती है। कार्यक्रम मेंसुषमा पाठक, दीपा शर्मा,लीला राठौर,बेबी सोलंकी, सुनीता डोडिया,सुगना गुर्जर,सारिका पटेल,रुक्मणी उपाध्याय, हेमलता जोशी,आशा सेन,मुनि सेन,शोभा मालवी, मंजू लिटोरिया,ममता महेश्वरी,भगवती जोशी,विनय लता जोशी,सुशीला शर्मा,किरण सोमानी,वंदना शर्मा,उषा गुर्जर,विजयलक्ष्मी बैरागी,मांगी बाई बैरागी,संध्या पवार,सीमा पटेल,उमा पटेल,कलावती वर्मा,ममता शर्मा,जयश्री भट्ट,शारदा पाटीदार,दीपा शर्मा,लक्ष्मी शर्मा, भारती यादव,अनुराधा जोशी, अंतिम सोनी,सीमा शर्मा,गंगा यादव,इंदिरा शर्मा,चंदा चौहान,अलका सोनी उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन दीपा शर्मा तथा आभार रितु माहेश्वरी ने माना।

नारी एक शक्ति, एक प्रेरणा, एक उम्मीद है... महिला दिवस पर नव चेतना मंडल द्वारा कार्यक्रम संपन्न

अलीराजपुर- अषाडा राजपुत समाज के महिला संगठन नव चेतना महिला मंडल के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री साधना माहेश्वरी प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश अलीराजपुर (सेवानिवृत्त), कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती सोनू शितोले जिला थाना कोतवाल प्रभारी अलीराजपुर, कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि श्रीमती माधुरी सोनी अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दिल्ली के सदस्य एवं साहित्य संहिता अलीराजपुर साथ ही समाज की महिला उपाध्यक्ष श्रीमती जय श्री गेहलोत एवं नवचेतना महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नीलम गेहलोत मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत नव चेतना मंडल की कार्यकारणी द्वारा किया गया। अतिथियों ने सर्वप्रथम माता सरस्वती का पूजन कर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसके पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

सुश्री साधना माहेश्वरी ने नारी की महानता को बताते हुए कहा कि एक नारी की हिम्मत ही उसकी पहचान है।सोनू शितोले ने कहा कि नारी के बिना संसार अधूरा है।सम्मान,शक्ति और सफलता की पहचान है महिला। माधुरी सोनी ने

अपने उद्बोधन में कहा कि हर नारी की मुस्कान में संसार की खुशी बसती है। वहीं कार्यक्रम को संगठन की अध्यक्षा नीलम गेहलोत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में असाडा राजपुत समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की। उद्बोधन स्वरूप डॉक्टर नेहा सोलंकी थैरेपिस्ट और श्रीमती हीना तंवर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में संबोधित किया।इसके पश्चात नव चेतना महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खेल संबंधी गतिविधियां कराई गई थी जिसमें नींबू रेस,चेयर रेस, महिला स्पेशल गेम 1 मिनट और तात्कालिक भाषण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।जिसमें अधिक संख्या में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किए गए। नव चेतना महिला मंडल द्वारा इन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।साथ ही अषाड़ा राजपूत समाज की श्रीमती आरती सोलंकी एवं सुश्री रितु सोलंकी को राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान साहित्य भारती इंदौर द्वारा सम्मानित किए जाने के अवसर पर नवचेतना महिला मंडल द्वारा आप दोनों का स्वागत किया गया। असाडा राजपूत समाज महिला उपाध्यक्ष श्रीमती जय श्री गहलोत द्वारा दो संघर्षशील महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अंबिका पंवार एवं श्रीमती रवीना चंदेल ने किया एवं आभार प्रदर्शन सुश्री रितु सोलंकी ने किया।

माहे रमजान में 6 साल की माहेरा मुगल, 7 साल की बुशरा मुगल ने रखा रोजा, मुल्क की सलामती की मांगी दुआ

अलीराजपुर- रमाजन–उल–मुबारक का पवित्र महीना रहमतों बरकतों से भरपूर इस महीने में जहां बड़ों ने रोजा रखाकर शाम को इफ्तारी की तो वहीं नन्हें–मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं रहें। नन्हे–मुन्ने बच्चों ने भी रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे और पांचों वक्त के नमाज भी अदा कि। बतातें चले कि रमजान का पवित्र महीना रहमतों बरकतों का महीना है। रोजा हर मुसलमान मर्द, औरत व बालिग पर फर्ज है। इस लिए इस महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजे रखते है तथा ज्यादा से ज्यादा इबादत करने में मशगुल रहते है। अल्लाह की इबादत करने में बड़े तो बड़े नन्हे–मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं रहे। बच्चों में भी गजब का उत्साह देखा गया। बच्चों ने रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगुल रहे। शहर के मुस्तकीम मुगल पत्रकार की बेटी बुसरा मुगल महज उम्र 7 साल, माहेरा मुगल मोहसिन मुगल महज उम्र 6 साल, ने रविवार को रमजान–उल–मुबारक का पहला रोजा रखा। बच्चीयों ने बताया कि रमजान के पवित्र महीना में सभीको रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करनी चाहिए। क्योंकि यह महीना सब्र का होता है। पवित्र माह रमजान के महीने में रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करने से इंसान अपने आप को अल्लाह के करीब पाता है। दोनो बच्चीयों ने रोजा रख परिवार में खुशी का माहौल रहा। परिजनों ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। इफ्तार का विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान देश में शांति, अमन और भाईचारे के लिए दुआएं मांगी गईं।

दाऊदी बोहरा समाज का जीव दया को लेकर संदेश सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन के जन्मदिन पर बांटे 200 से ज्यादा दाना पानी स्टैंड

थांदला दाऊदी बोहरा समाज ने हिस होलीनेस सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन साहब के 52 वे धर्म गुरु के जन्मदिन के मौके पर पक्षियों के लिए दाना पानी पात्र का वितरण किया कार्यक्रम सोमवार शाम 7:00 बजे मस्जिद में रखा गया जिसमें ब्लड डोनेशन टीम थांदला के संरक्षक प्रशांत उपाध्याय नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पणदा एवं वार्ड नंबर 5 के बोहरा बाहुल्य क्षेत्र से पार्षद समर्थ उपाध्याय मौजूद रहे इस कार्यक्रम में 200 से ज्यादा पक्षियों के लिए दाना पानी पात्र का वितरण किया गया प्रशांत उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार से मनुष्य का जीवन महत्वपूर्ण है इसी प्रकार किसी पक्षी का भी जीवन महत्वपूर्ण है और सयदना साब के रास्ते पर चलकर हम जीव दया का एक बहुत बड़ा कार्य कर रहे है नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पणदा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण में थांदला दाऊदी बोहरा समाज की बहुत बड़ी भूमिका है और जीव दया का जो कार्य हुआ है वह बहुत ही उपकार योग्य है समर्थ उपाध्याय ने बताया कि सफाई के क्षेत्र में नरेंद्र मोदी जी का सपना साकार

करने वाला दाऊदी बोहरा समाज हमेशा से सेवा कार्यों के लिए अग्रणीरहा है और भीषण गर्मी के इस दौर में पक्षियों को दाना पानी मिल सके ऐसा प्रयास किया गया है दाऊदी बोहरा समाज ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में कार्य किए हैं । आमिल साहब शेख सैफुद्दीन जिन्होंने पूरे कार्यक्रम में बताया कि आने वाले समय में 1000 दाना पानी पत्र पक्षियों के लिए पूरे नगर में बांटे जाएंगे और समाजसेवी सचिन सोलंकी द्वारा बताया गया कि बोहरा समाज के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह पहल अनुकरणीय है जिससे कि गर्मी में पक्षियों को दाना पानी मिल सकेगा गर्मी में पक्षी खुले वातावरण में दाना पानी के लिए इधर-उधर विचरण करते रहते हैं इस कारण कई बार उनकी मौत हो जाती है उन्हें दाना पानी मिलाने से उनकी सुरक्षा होने के साथ हम सभी को मिलकर इस अभियान में सहयोग प्रदान करना चाहिए बोहरा समाज द्वारा मुख्य पक्षियों के लिए सेवा का यह कार्य पूर्ण लाभ अर्जित किया जा रहा है । समाज के युवाओं ने दिया विशेष सहयोग बोहरा समाज के आमिल साहब शेख सैफुद्दीन एवं इस पूरे अभियान के बुरहानी फाउंडेशन कोऑर्डिनेटर बुरहान कश द्वारा बताया गया कि पूरे नगर में 1000 बोर्ड फीडर्स का वितरण किया जाएगा इस अवसर पर प्रशांत उपाध्याय ने उनकी माताजी के द्वारा चलाए जा रहे स्वर्गीय मीनाक्षी देवी सेवा समिति से 100 बर्ड फीडर समाज को दान दिया एवं लक्ष्मी सुनील पणदा ने भी 100 बर्ड फीडर समाज को दान दिए ताकि वह पूरा नगर में बांटे जा सके इस अवसर पर शेख हैदर भाई ,शेख मुफ्फद्दल भाई टीम तोलोबा और समस्त बोहरा समाज के बच्चे महिलाएं एवं पुरुष शामिल थे ।

प्रतिपक्ष नेता आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष उमंग सिंगार के के नेतृत्व में टाडा में आयोजित भगोरिया मेला में उड़नखटोला से पहुंचे कांग्रेस नेता

आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल पारंपरिक डांस

अलीराजपुर ,गुजरात की फेमस नृत्य दल की 4 टीम के साथ जमाया रंग

टांडा- उमंग सिंगार के द्वारा भगोरिया उत्सव का आयोजन टांडा में किया गया कार्यक्रम में जिले के नेता आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल गुजरात अलीराजपुर की फेमस आदिवासी पारंपरिक नृत्य दल की 4 टीम के साथ भगोरिया उत्सव में पहुंच कर ,प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव , छ्ङ्खष्ट सदस्य कमलेश्वर पटेल ,एवं मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन,सचिन यादव, पाँचीलाल मेड़ा का स्वागत नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ किया !! उड़ान खटोला से नेता पहुँच कर सब ने होली भगोरिया उपस्थित जनसमुदाय को प्रदेश देश वासियों को बधाई दी महेश पटेल ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को होली भगोरिया बधाई के के साथ संगठन को लेके लंबी चर्चा की अपनी गतिविधियों के बारे में भी अवगत काराया हरीश चौधरी से लंबी चर्चा कर अपने कई मुद्दों को अवगत काराया

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार, श्री मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन मे दिनाँक 07.03.2025 से हार्टफुलनेस संस्था की ओर से आयोजित तीन दिवसीय परिचयात्मक ध्यान (मेडीटेशन) शिविर आज दिनाँक 09.03.2025 को पुलिस लाईन धार मे सम्पन्न हुआ

धार।पुलिस बल मे लगातार कानून व्यवस्था ड्यूटियो एवं कार्य की परिस्थितियों के कारण उत्पन्न तनाव को ध्यान के माध्यम से अवसाद/तनाव प्रबंधन, बेहतर स्वास्थ्य, प्रसन्नचित्तता, संवाद कौशल, पारिवारिक सामंजस्य एवं सकारात्मक जैसे गुणों के विकास के लिए ध्यान कितना लाभकारी है और आज के समय मे ध्यान/मेडीटशन की क्या महत्ता है, इसके संबंध मे संक्षिप्त जानकारी श्री आनंद रणदिवे के द्वारा दी गई है साथ ही उपस्थित अधि0/कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को ध्यान/मेडीटेशन कराया, जो 40 मिनट तक चला, जिसमें तनावमुक्ति एवं ध्यान का प्रशिक्षण देकर अभ्यास कराया गया है। साथ ही ब्राईटर माईन्डस् के बारे में जानकारी श्री धीरजमल जैन (उटावद) द्वारा दी गई। पुलिस कर्मचारियों द्वारा लगातार ड्यूटी करने के कारण वह अपने स्वास्थ पर ध्यान नही दे पाते है। जिससे उनमें मानसिक तनाव व शारीरिक रोग एवं विकार जन्म ले लेते है। अत: पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए यह तीन दिवसीय परिचयात्मक ध्यान सत्र आयोजित हुआ। जिसका लाभ निश्चित ही पुलिस कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को प्राप्त हुआ साथ ही उपस्थित अधि0/कर्मचारियों का डाटा संधारण किया गया तथा फीडबैक भी लिया गया है। दिनाँक 10.03.2025 से पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे तैनात अनुसचिवीय एवं जिला पुलिस बल के अधिकारी / कर्मचारियों के लिए ध्यान शिविर का आयोजन कार्यालय स्थित सभा कक्ष मे किया जावेगा एवं आगामी दिनों मे इकाई धार के प्रत्येक थानों पर हार्टफुलनेस संस्था की ओर से ध्यान शिविर का आयोजन किया जावेगा। जिसके लिए प्रत्येक थाना स्तर पर एक ध्यान समन्वयक नियुक्त किया गया है, जो ध्यान संबंधी कार्यक्रम कोर्डिनेट करेंगे। इस तीन दिवसीय शिविर मे पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार डॉ0 इंद्रजीत बाकलवार, नगर पुलिस अधीक्षक धार श्री रविन्द्र वास्कले, उपुअ अजाक श्री आनंद तिवारी,

हार्टफुलनेस संस्था के जिला समन्वयक आनन्द रणदिवे एवं अल्पना जोशी, अंजली रणदिवे, योगेश प्रजापत, धीरजमल जैन पुलिस लाईन से रक्षित निरीक्षक श्री पुरूषोत्तम बिश्नोई, निरीक्षक प्रेमसिंह ठाकुर सहित कुल 150 मुख्यालय धार के अधिकारी/कर्मचारी एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

खकनार में दिव्यांगों को बांटे गए सहायक उपकरण -विधायक मंजू दादू ने कहा - अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओ का लाभ पहुंचाना लक्ष्य

बुरहानपुर – नेपानगर विधायक मंजू दादू ने रविवार को खकनार में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया उत्कृष्ट विद्यालय खकनार में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर और कृत्रिम अंग वितरित किए इसके अलावा विधायक निधि से विधानसभा क्षेत्र की अलग–अलग पंचायतो में पानी की टैंकर भी वितरित किए गए इन पंचायतो में उमरदा, झिरपांजरीया, खकनार खुर्द, कानापुर, सराय, दवाटिया और पलासुर शामिल है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दादू ने कहा कि उनका लक्ष्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की डबल इंजन सरकार में और भी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल, मंडल अध्यक्ष महेंद्र जोगी, निलेश चौकसे, शर्मिला कासडेकर, गणेश महाजन, हिम्मत निकम और दिनेश निकम सहित अन्य गण मान्य लोग उपस्थित रहे

बाईक एक्सीडेंट में दौ व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत

108 वाहन पहुंचा मोके पर दोनों को बाग स्वास्थ केन्द्र लाया गया

बाग – बाग थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत चिकापोटी निवासी दो बाईक सवारो की आमने सामने बाईको की भीषण टक्कर में घटना स्थल पर ही मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम 7 बजे के लगभग गांव के पटेल नहारसिह पिता पाचीया जाति भिलाला उम्र 60 वर्ष अपनी बाइक लेकर घर से जा रहे थे तभी सामने से राजू पिता मेहताब उम्र 25 वर्ष अपने सुसराल से घर चिकापोटी आ रहा था तभी दोनों में आमने सामने भिषण टक्कर हो गई जिसमें दोनों बाइक सवारों की अधिक सीर में लगी चोट के कारण खून बह जाने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई जिसकी सुचना स्थानीयो ने 108 वाहन को दी वाहन के ईएमटी रविन्द्र सिंह तोमर,एवं पायलेट संजय रावत वाहन लेकर घटना स्थल पहुंचे और दोनों मृतको को बाग स्वास्थ केन्द्र लेकर आए जहां उन्हें डाक्टर हरेसिह मुवेल द्वारा मृत घोषित किया गया घटना की सुचना सुन गांव में सनसनी फेल गई और त्योहारों की खुशियां मातम में बदल गई जिसको भी घटना की जानकारी मीली बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पर जमा हो गये बताया गया की पटेल नहारसिह अपनी बाइक लेकर घर से निकले ही थे की सामने से अपने ससुराल से चिकापोटी आ रहे राजू तभी रास्ते में दोनों बाईकों की भिषण टक्कर हो गई व एकजान बुजुर्ग सहित एक युवक की जान चली गई ।

किम जोंग को डराने में लगे थे ट्रंप, उत्तर कोरिया ने दाग दीं बैलिस्टिक मिसाइल

डेस्क उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के तटीय इलाके में एक साथ कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं. किम जोंग उन ने यह एक्शन ऐसे वक्त में लिया है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से उत्तर कोरिया की सीमा पर सैन्य अभ्यास करने जा रहा था. दक्षिण कोरिया का कहना है कि यह युद्ध को उकसाने के लिए किया गया है. उत्तर कोरिया ने 3 दिन पहले ही अमेरिका को धमकी दी थी. उत्तर कोरिया का कहना था कि उनकी सीमा पर अगर सैन्य अभ्यास किया जाता है, तो वो चुप्प नहीं बैठ सकते हैं. एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक कोरिया की सीमा पर अमेरिका और दक्षिण कोरिया 11 दिन का सैन्य अभ्यास कर रहा है. किम जोंग उन को यह डर सता रहा है कि सीमा के जरिए अमेरिका कहीं उसके क्षेत्र में न आक्रमण कर दे. किम जोंग उन की बहन ने 3 दिन पहले अमेरिका को चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि आप अपना अभ्यास कहीं और जाकर करें, वरना हम आपको छोड़ेंगे नहीं. दक्षिण कोरिया के चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक सोमवार को उत्तर कोरिया की सेना ने ह्वांगहे प्रांत से इन मिसाइलों को दागना शुरू किया. देखते ही देखते कई मिसाइलें दागी गई हैं. दक्षिण कोरिया की सेना विस्तृत जानकारी जुटा रही है. कहा जा रहा है कि उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया को डराने के लिए इन मिसाइलों का प्रक्षेपण किया है. उत्तर कोरिया की कोशिश अमेरिका और दक्षिण कोरिया में डर पैदा करने की है. मिसाइल प्रक्षेपण से पहले उत्तर कोरिया ने एक बयान जारी किया था. उत्तर कोरिया का कहना था कि कोरिया प्रायद्वीप में सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन अमेरिका की वजह से युद्ध की स्थिति बन रही है. जिस तरीके से सैन्य अभ्यास की शुरुआत की गई है, उससे कभी भी युद्ध की घोषणा हो सकती है. उत्तर कोरिया का कहना है कि 1953 में आखिरी बार दोनों देशों के बीच युद्ध विराम हुआ था. अगर अब अमेरिका उकसाने वाली कार्रवाई करती है तो यह युद्ध विराम टूट भी सकता है.

अमेरिका से निकले पनामा के होटल में फंसे, अब रिहाई का आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका से निकाले जाने के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी पनामा में फंस गए थे। लोग कागज के टुकड़ों पर संदेश लिखकर और इशारों से मदद की गुहार लगा रहे थे। होटल को ही हिरासत केंद्र में बदल दिया गया और एशियाई देशों के बहुत सारे लोग इसी में फंस गए। कई हफ्तों तक चले मुकदमों और मानवाधिकार आलोचना के बाद पनामा ने अमेरिका से निर्वासित किए गए अनेक प्रवासियों को शनिवार को रिहा कर दिया जिन्हें एक दूरदराज के शिविर में रखा गया था। इसने कहा कि इन लोगों के पास यह देश छोड़ने के लिए 30 दिन का समय है। निर्वासन में तेजी लाने के प्रयास के तहत अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पनामा तथा कोस्टा रिका के साथ एक समझौता किया था। इसी समझौते के तहत अमेरिका से अवैध प्रवासियों को इन देशों में निर्वासित किया गया जिनमें अधिकतर एशियाई देशों से हैं। इस समझौते ने मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को उस वक्त और बढ़ा दिया है जब पनामा सिटी के एक होटल में हिरासत में रखे गए सैकड़ों निर्वासितों ने मदद की गुहार लगाते हुए अपनी खिड़कियों पर पत्र लटकाए और कहा कि वे अपने ही देश लौटने से डरे हुए हैं। शरणार्थी संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, लोगों को उत्पीड़न से बचने के लिए शरण लेने के लिए आवेदन करने का अधिकार है। लेकिन, अपने देश लौटने से इनकार करने वालों को कोलंबिया से सटी पनामा की सीमा के पास एक दूरस्थ शिविर में भेज दिया गया था जहां उन्हें कई सप्ताहों तक बदतर हालत में रखा गया, उनके फोन छीन लिए गए जिससे वे कानूनी सहायता लेने में असमर्थ हो गए और उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि उन्हें आगे कहां ले जाया जाएगा। वकीलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा है कि पनामा और कोस्टा रिका निर्वासितों के लिए 'ब्लैक होल' बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों को लेकर लगातार बढ़ती आलोचना के बीच अपना पल्ला झाड़ने के लिए पनामा के अधिकारियों ने निर्वासितों को रिहा कर दिया है जिससे वे अधर में लटक गए हैं। बताया गया था कि पनामा के होटल में भारत, चीन ,वियतनाम, तुर्की, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका और ईरान के 299 प्रवासी थे जिसमें से 171 ही अपने देश जाने को तैयार थे। वहीं भारतीय दूतावास ने बताया था कि भारतीय प्रवासी होटल में सुरक्षित थे।

नए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी कैसे करेंगे यूएस राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वॉर में मुकाबला?

नई दिल्ली. कनाडा की लिबरल पार्टी ने मार्क कार्नी के तौर पर अपना नया नेता चुन लिया है. वह जस्टिन ट्रूडो की जगह प्रधानमंत्री बनेंगे. बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर रह चुके कार्नी को ऐसे समय में लिबरल पार्टी ने अपना नेता चुना है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से कनाडा जूझ रहा है.

मार्क कार्नी को डोनाल्ड ट्रंप का विरोधी माना जाता है. प्रधानमंत्री की रेस में क्रिस्टिया फ्रीलैंड जैसे प्रमुख दावेदार को पछाड़कर कार्नी के जीतने की वजह ट्रंप विरोधी माना जा रहा है लिबरल पार्टी का नेता चुने जाने के बाद मार्क कार्नी ने डोनाल्ड ट्रंप पर पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिका कनाडा नहीं है. कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं बन सकता. अमेरिकी सरकार कनाडा के संसाधन, पानी और जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं. अगर वे इसमें कामयाब हो गए तो हमारी जिंदगी तबाह कर देंगे.

डॉलर के बदले डॉलर का नारा मार्क कार्नी कनाडा के पहले ऐसे प्रधानमंत्री होंगे, जिन्हें राजनीति का अधिक अनुभव नहीं है. उनका ना कोई राजनीतिक बैकग्राउंड है और ना ही वह कभी कोई चुनाव लड़े हैं. वह बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के साथ-साथ G7 ग्रुप की अगुवाई भी कर चुके हैं. कार्नी ने अमेरिका के खिलाफ डॉलर के बदले डॉलर का भी नारा दिया था. अर्थशास्त्री के तौर पर मार्क कार्नी कई मौकों पर कह चुके हैं कि अगर कनाडा की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाली अमेरिकी नीतियों का जवाब देना है तो डॉलर के बदले डॉलर एकदम सटीक रहेगा. जिस तरह से ट्रंप कनाडा की इकोनॉमी को कमजोर कर कनाडाई डॉलर को नुकसान पहुंचा रहे हैं. हमें भी अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देनी होगी. मार्क कार्नी 2009 में बैंक ऑफ कनाडा के गवर्नर थे. यह वो समय था जब दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं मंदी की मार से उभर रही थीं. ऐसे में कार्नी ने कहा था कि अमेरिकी डॉलर बहुत डॉमिनेट है और ग्लोबल डिजिटल करेंसी के जरिए डॉलर के वर्चस्व को चुनौती दी जानी चाहिए.

मार्क कार्नी ने लिबरल नेता चुने जाने पर साधा ट्रंप पर निशाना कनाडा की लिबरल पार्टी का नेता चुने जाने पर मार्क कार्नी ने कहा कि मुझे कनाडा पर गर्व है. कनाडा के नागरिकों पर गर्व है. जब तक हम एकजुट रहेंगे, कनाडा का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकेगा. कनाडा की सरकार ट्रंप के टैरिफ का माकूल जवाब दे रही है. लेकिन हम चुप नहीं रहेंगे. हम ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे हितों की रक्षा हो और कोई भी हमारे देश की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सके. कार्नी ने कहा कि लिबरल पार्टी मिलकर ट्रंप के नापाक इरादों के खिलाफ लड़ेगी. मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी के मुश्किल हालातों ने मुझे इस समय के लिए तैयार किया है कि मैं देश का मार्गदर्शन कर सकूं और इस मुश्किल घड़ी से देश को बाहर निकाल सकूं. हमें मिलकर बड़े बदलाव करने हैं और उन ताकतों को दिखा देना है कि हम आसानी से हार मानने वाले नहीं हैं. मार्क कार्नी ने कहा कि अब मैं उनका जिक्र करना चाहता हूं, जो हमारे देश की इकोनॉमी को कमजोर करने पर तुले हैं डोनाल्ड ट्रंप. वह गलत तरीके से हम पर टैरिफ लगा रहे हैं. वह कनाडा के परिवारों और बिजनेस पर हमला कर रहे हैं और हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते. मुझे गर्व है कि कनाडा जिस तरह से इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है.

ट्रंप के टैरिफ वॉर का कैसे करेंगे मुकाबला? मार्क कार्नी ऐसे समय पर बैंक ऑफ कनाडा के गवर्नर थे जब पूरी दुनिया मंदी का सामना कर रही थी. लेकिन वह कनाडा को इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकालने में कामयाब रहे थे. यही वजह है कि लिबरल नेता की रेस में कद्दावर नेताओं के होने के बावजूद उन्हें चुना गया. लिबरल पार्टी को पता है कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर का मुकाबला बेहतर तरीके से कर पाएंगे. उनका डॉलर के बदले डॉलर का नारा इसका प्रमाण है. कार्नी ने पार्टी नेता चुने जाने पर ट्रंप पर देश की अर्थव्यवस्था को कमतर करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कनाडा को एक ऐसे मुल्क की वजह से मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं, जिन पर हम अब भरोसा नहीं कर सकते. कार्नी ने कहा कि जब तक अमेरिका हमारे प्रति सम्मान नहीं दिखाता. हम भी अमेरिका पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे. नई चुौतियों से नए विचार और नए प्लान सामने आते हैं. वह (ट्रंप) हम पर हमले कर रहे हैं तो हम उन्हें सफल नहीं होने देंगे. जिस तरह से हॉकी में हम हमेशा उन पर भारी पड़ते हैं.

कौन हैं मार्क कार्नी? मार्क कार्नी का जन्म कनाडा के फोर्ट स्मिथ में हुआ था. उनका बचपन एडमंटन में बीता. इसके बाद वे अमेरिका गए और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की. इसके बाद में वहां से ब्रिटेन चले गए, जहां उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पहले मास्टर डिग्री और फिर 1995 में अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की. कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर नियुक्त किया गया था. उनके नेतृत्व को जल्दी ही पहचान मिली और 2010 में टाइम मैगजीन ने उन्हें दुनिया के 25 सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल किया. 2011 में रीडर्स डाइजेस्ट कनाडा ने उन्हें सबसे विश्वसनीय कनाडाई का खिताब दिया और 2012 में यूरोमनी पत्रिका ने उन्हें सेंट्रल बैंक गवर्नर ऑफ द ईयर घोषित किया. 2013 में कार्नी बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर बने. इस संस्था के 300 साल के इतिहास में इसका नेतृत्व करने वाले पहले गैर-ब्रिटिश नागरिक बन गए. उन्होंने 2020 तक इस पद पर काम किया. कार्नी के पास कनाडा, ब्रिटेन और आयरलेंड की नागरिकता है.

अमेरिका से जंग की तैयारी में चीन! रक्षा बजट पर कहा- हमारी संप्रभुता को खतरा तो हम

वीजिंग। चीन और अमेरिका टेंशन कम होने का नाम नहीं ले रही है। टैरिफ बढ़ाने के बाद चीन ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया और तर्क दिया कि उसकी संप्रभुता को खतरा है। रविवार को अपने 249 अरब डॉलर के रक्षा बजट को सही ठहराते हुए चीन ने कहा कि उसे देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है तथा बढ़ी हुई राशि का उपयोग नवीनतम लड़ाकू क्षमताओं के साथ सेना के आधुनिकीकरण के लिए किया जाएगा।अमेरिकी सत्ता में डोनाल्ड ट्रंप के आने से चीन और अमेरिका में तनाव चरम पर है। हाल ही में ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ बढ़ाया था। ट्रंप की लगातार बयानबाजी के बाद चीन ने भी अमेरिका को युद्ध की धमकी देते हुए कहा था कि अगर जंग चाहते हो तो हम भी युद्ध के लिए तैयार हैं।इससे पहले चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने बुधवार को संसद में घोषणा की कि इस वर्ष देश के लिए नियोजित रक्षा व्यय लगभग 249 अरब अमेरिकी डॉलर है। रक्षा प्रवक्ता वू कियान ने संसद के वार्षिक सत्र के दौरान कहा, ''चीनी सेना को राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।'' पिछले साल चीन ने अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 232 अरब अमेरिकी डॉलर किया था। चीन और अमेरिका का रक्षा बजट चीन का सैन्य बजट अमेरिका के बाद दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका का नवीनतम प्रस्तावित रक्षा खर्च 890 अरब डॉलर से अधिक है। चीन जहां भारी अमेरिकी रक्षा बजट का हवाला देता है, वहीं उसका बढ़ता रक्षा खर्च पड़ोसियों, खासकर भारत पर दबाव डाल रहा है। चीन का रक्षा खर्च भारत के करीब 78.8 अरब अमेरिकी डॉलर से तीन गुना ज्यादा है।

अंतरिक्ष से ही सुनीता विलियम्स ने एलन मस्क को दिया मुंहतोड़ जवाब, बोलीं- यह समय...

वॉशिंगटन। नासा एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अब कुछ दिनों बाद वापस धरती पर लौट आएंगी। 16 मार्च को सुनीता और विल्मोर बुच की अंतरिक्ष से वापसी हो रही है। इस बीच, हाल ही में सुनीता ने स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उल्लेखनीय है कि मस्क ने कहा था कि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को कक्षा से हटाने का समय आ गया है। उसने अपना मकसद पूरा कर लिया और अब उपयोगिता काफी कम बची है। सुनीता ने कहा है कि मुझे लगता है कि अभी इसे बंद करने का सही समय नहीं है। मस्क का नाम लिए बिना सुनीता ने जवाब देते हुए आईएसएस पर बोलते हुए कहा कि स्टेशन अभी भी बेहतरीन स्थिति में है और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। उन्होंने कहा, यह जगह बहुत बढ़िया है। यह वाकई अद्भुत है। हमारे पास सारी बिजली है, सारी सुविधाएं चालू हैं और काम कर रही हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अभी इसे बंद करने का सही समय नहीं है। सुनीता और विल्मोर को वापस लाने की जिम्मेदारी नासा के साथ-साथ एलन मस्क की भी है, क्योंकि मस्क के स्पेसएक्स के जरिए ही दोनों धरती पर लौट रहे हैं। सुनीता विलियम्स ने कम से कम 2030 तक स्पेस स्टेशन को चालू रखने के लिए नासा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने चिकित्सा अनुसंधान, सामग्री विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आईएसएस के लगातार दिए जा रहे योगदान पर जोर दिया और कहा कि यह अंतरिक्ष मिशनों और पृथ्वी पर जिंदगी, दोनों को ही फायदा पहुंचाता है। सुनीता ने कहा, हमारे समझौतों के अनुसार 2030 तक का समय है। मुझे लगता है कि यह संभवत: वास्तव में सटीक है। हमें सभी अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के लिए इस अंतरिक्ष स्टेशन का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। सुनीता विलियम्स का यह बयान तब आया है, जब मस्क ने हाल ही में कहा था कि स्पेस स्टेशन को दो साल के अंदर ही कक्षा से हटा दिया जाना चाहिए।

पाकिस्तान ... वाट्सएप ग्रुप से हटाने पर गुस्साया युवक, एडमिन की गोली मारकर कर दी हत्या

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के रेगी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। वाट्सएप ग्रुप (से हटाने के बाद एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना 7 मार्च की शाम की बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मृतक मुश्ताक अहमद एक वाट्सएप ग्रुप का एडमिन था। उसने अशफाक खान को ग्रुप से हटा दिया था, जिससे दोनों के बीच बहस हो गई। इसी विवाद के बाद गुस्साए अशफाक ने अहमद पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक के भाई हुमायूं खान ने बताया कि उन्होंने यह घटना अपनी आंखों से देखी। उन्होंने कहा, मेरे भाई और अशफाक के बीच वाट्सएप ग्रुप में कुछ मतभेद हो गए थे, जिसके बाद मेरे भाई ने उसे हटा दिया। इस पर अशफाक नाराज हो गया और उसने मेरे भाई को गोली मार दी। परिवार का कहना है कि उन्हें इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी। हुमायूं ने कहा, यह एक बेहद मामूली बात थी। हमारे परिवार में किसी को भी इस झगड़े के बारे में कुछ नहीं पता था।

आरोपी फरार

स्थानीय पुलिस अधिकारी आबिद खान ने बताया कि मृतक के भाई ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जब दोनों पक्ष इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी अशफाक ने अचानक गोली चला दी और मुश्ताक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

सोशल मीडिया पर आक्रोश

इस चौंकाने वाली घटना ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। एक यूजर ने लिखा, ऐसे मामलों के पीछे हमेशा कोई पुरानी दुश्मनी या विवाद होता है। छोटी-छोटी घटनाएं कभी-कभी बड़े हादसों का कारण बन जाती हैं। दूसरे ने कहा, लोग अब बहुत छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे की जान लेने लगे हैं। न कानून का डर है, न सजा का खौफ। एक अन्य व्यक्ति ने इस घटना पर हैरानी जताते हुए लिखा, अविश्वसनीय! डिजिटल प्लेटफॉर्म को लेकर लोग एक-दूसरे की जान लेने लगे हैं यह तो पागलपन है! कई यूजर्स ने इसे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना बताया।

ललित मोदी ना घर के, ना घाट के, वानुआतु के पीएम ने बढ़ा दिया संकट

नई दिल्ली. आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने भारत का पासपोर्ट सरेंडर कर एक छोटे से देश वानुआतु की नागरिकता ले ली थी. लेकिन अब वानुआतु के प्रधानमंत्री ने ललित मोदी को झटका दे दिया है. वानुआतु के प्रधानमंत्री जोथम नापत ने नागरिकता आयोग से ललित मोदी का पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से रद्द करने को कहा है. पीएम ने कहा कि मैंने नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि वह ललि मोदी का वानुआतु पासपोर्ट तुरंत रद्द कर दे. मुझे बीते 24 घंटे में यह जानकारी मिली कि इंटरपोल ने ललित मोदी को लेकर भारत सरकार की ओर से भेजे गए अलर्ट नोटिस को न्यायिक साक्ष्य के अभाव में दो बार खारिज किया था. उन्होंने कहा कि वनुआतु का पासपोर्ट रखना एक विशेषाधिकार है ना कि कोई अधिकार. ऐसे में याचिकाकर्ताओं को वैध कारणों से ही नागरिकता लेनी चाहिए. बता दें कि ललित मोदी ने सात मार्च को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था. बाद में विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टी की थी कि ललित मोदी ने अपना पासपोर्ट जमा कर दिया है.

ललित मोदी 2010 में भाग गए थे ब्रिटेन आईपीएल की शुरुआत करने वाले ललित मोदी 15 साल पहले भारत से ब्रिटेन भाग गए थे. भारत लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग करता रहा है, और कानूनी लड़ाई भी चल रही है लेकिन अब उन्होंने भारत की नागरिकता त्यागने का फैसला किया है, और जिस देश वानुआतु की नागरिकता उन्होंने ली है, वहां की आबादी पुडुचेरी से भी कम है, जिससे मामले में एक फ्रेश ट्विस्ट आया है. हालांकि, वह अपने ऊपर लगे तमाम मनी लान्ड्रिंग और टैक्स चोरी के आरोपों को खारिज करते हैं.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 I31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569